मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

एमएनआईटी समाचार पत्रिका

फ़रवरी 2026

संस्करण

विषय-सूची

03 निदेशक का संबोधन

04 गणतंत्र दिवस समारोह

05 स्फिंक्स 2025

09 पूर्व छात्र दिवस 2025

10 यूथफेस्ट '26 समारोह

13 विभागीय झलकियाँ

18 छात्रों की उपलब्धियाँ

19 शोध उपलब्धियाँ और परियोजनाएँ

19 शिक्षकों की उपलब्धियाँ

23 सम्मेलन और संगोष्ठियाँ

28 डीनरी की पहलें

33 संस्थागत मील के पत्थर और उपलब्धियाँ

35 पूर्व छात्र सहभागिता

37 पुस्तकालय क्षेत्र

39 वेलनेस कॉर्नर

44 कुलगीत

44 स्वीकृति

निदेशक का संबोधन

प्रिय पाठकगण,

मुझे अत्यंत गर्व और प्रसन्नता है कि मैं MNIT जयपुर न्यूज़लेटर का यह नवीनतम संस्करण प्रस्तुत कर रहा हूँ — जो शैक्षणिक कठोरता, संस्थागत उपलब्धि और सामुदायिक भावना से भरे हमारे सामूहिक सफर का एक जीवंत प्रतिबिंब है।

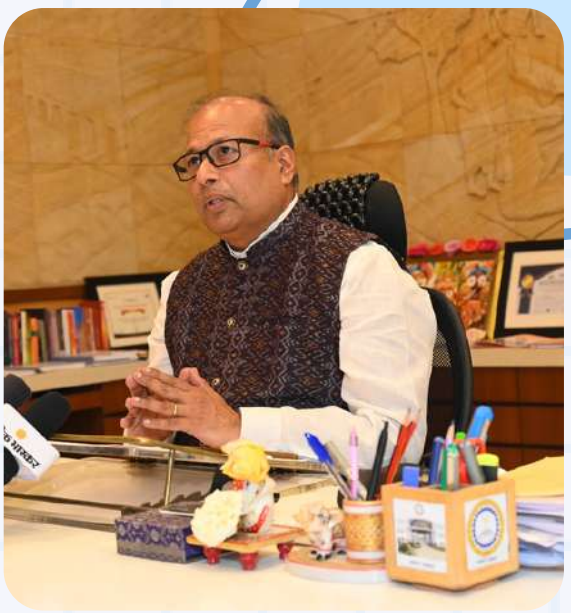

इन पृष्ठों में समेटे गए महीने उद्देश्य से परिपूर्ण रहे हैं। हमारा 77वां गणतंत्र दिवस गहरी श्रद्धा के साथ मनाया गया, जिसने संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ किया। यूथफेस्ट 2026, जो विवेकानंद जयंती पर मनाया गया, हमारे समुदाय के लगभग दो हजार सदस्यों को संस्कृति, परंपरा और समग्र युवा विकास की आनंदमयी अभिव्यक्ति में एक साथ लाया। स्फिंक्स 2025, हमारा वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सव, हमारे छात्रों की उस रचनात्मकता और सहयोगी ऊर्जा की एक जोरदार
पुष्टि था, जो वे अपने हर कार्य में लेकर आते हैं।

हमारे शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने भारत और विदेश में प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाना जारी रखा है, और DST, DBT, ANRF तथा उद्योग भागीदारों से प्रतिस्पर्धी अनुदान प्राप्त किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में जेनपैक्ट चेयर प्रोफेसरशिप, और हमारे ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र को प्रदान किया गया राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार, हमारे शोध की गुणवत्ता और प्रासंगिकता का प्रमाण हैं। प्राइड ऑफ नेशन अवार्ड्स 2025 में प्रीमियर नेशनल इंस्टीट्यूशन सम्मान भारत के शीर्ष केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों में हमारी स्थिति की पुष्टि करता है, जबकि भारतीय ज्ञान प्रणालियों के उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन भारत की बौद्धिक विरासत को समकालीन अनुसंधान के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

मुझे विशेष रूप से हमारे छात्रों और हमारे नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर गर्व है — MIIC-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप का फोर्ब्स इंडिया 30 अंडर 30 में स्थान पाने से लेकर हाइब्रिड कंडेंसर नवाचार के लिए प्रौद्योगिकी पेटेंट तक। पूर्व छात्र दिवस 2025 और बैच 1985 की रूबी मीट ने हमें हमारी पीढ़ियों के बीच के स्थायी बंधनों की याद दिलाई, जो श्री दिवाकर सिंघल द्वारा केमिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए ₹20 लाख के उदार छात्रवृत्ति योगदान से और अधिक मजबूत हुए।

भविष्य की दिशा में बढ़ते हुए, आइए हम ईमानदारी के साथ नेतृत्व करें, विनम्रता के साथ ज्ञान की खोज करें, और उद्देश्य के साथ सेवा करें। यह पृष्ठ हमें एक साथ विकसित होने के लिए प्रेरित करें — उत्कृष्टता, सहानुभूति और अपने राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ।

सादर शुभकामनाओं और नवीन प्रेरणा के साथ,

प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी
निदेशक, MNIT जयपुर

गणतंत्र दिवस समारोह

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर ने भारत का 77**वां गणतंत्र दिवस** गरिमा, उत्साह और राष्ट्रीय गर्व की गहरी भावना के साथ मनाया।

समारोह की शुरुआत निदेशक **प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी** द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, इसके बाद छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और परिसर समुदाय के सदस्यों ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया। सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. पाढ़ी ने भारत के संविधान के महत्व और राष्ट्र-निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने प्लास्टिक-मुक्त और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ परिसर को बढ़ावा देने के प्रति MNIT जयपुर की प्रतिबद्धता को भी पुनः दोहराया।

अवसर की औपचारिक भव्यता में वृद्धि करते हुए, MNIT के छात्रों ने संस्थान के सुरक्षा कर्मियों के साथ गणतंत्र दिवस परेड में गर्व के साथ भाग लिया, जो अनुशासन और देशभक्ति की भावना का प्रतीक था।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रति समर्पित सेवा और बहुमूल्य योगदान की पहचान में कर्मचारियों को उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए। सांस्कृतिक खंड ने समारोह में जीवंतता लाई, जिसमें **डांस क्लब** और **म्यूजिक क्लब** द्वारा उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियाँ, **लिमिटलेस एबिलिटी क्लब** द्वारा विचारोत्तेजक काव्य प्रस्तुति, और फैशन क्लब द्वारा एक रचनात्मक प्रदर्शनी शामिल थी, जो भारत की विविधता में एकता को खूबसूरती से दर्शाती थी।

गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले आयोजित रंगोली प्रतियोगिता ने परिसर के वातावरण में और अधिक रंग और देशभक्ति का उत्साह भर दिया।

समारोह का समापन "वंदे मातरम्" के सामूहिक गायन के साथ हुआ, जिसने समुदाय को चिंतन और गर्व के एक साझा पल में एकजुट किया। इस आयोजन ने संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति के प्रति समर्पित जिम्मेदार नागरिकों को तैयार करने के प्रति MNIT जयपुर की अटूट प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ किया।

स्फिंक्स 2025

नवाचार, प्रतिस्पर्धा और संस्कृति का उत्सव

स्फिंक्स 2025, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर का वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सव, **7 से 9 नवंबर 2025** तक आयोजित किया गया। तीन जीवंत दिनों में, परिसर ने तकनीकी नवाचार, प्रबंधकीय उत्कृष्टता, रचनात्मकता और सांस्कृतिक उत्सव के एक प्रेरणादायक मिश्रण का अनुभव किया, जिसमें देश भर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिवस 1 – उद्घाटन और उद्घाटन कार्यक्रम (7 नवंबर 2025)

स्फिंक्स 2025 की शुरुआत द इंडियन समिट के उद्घाटन के साथ हुई, इसके बाद औपचारिक उद्घाटन समारोह हुआ, जिसमें संस्थान के गणमान्य व्यक्ति, शिक्षक सदस्य, आयोजन प्रमुख और छात्र उपस्थित थे।

दिन में कई प्रमुख कार्यक्रम शामिल थे जिनमें 24 घंटे का हैकाथॉन, बियर्स एंड बुल्स, मिनट टू पिच इट और ई-स्पोर्ट्स (BGMI) शामिल थे। रूब-ए-थॉन, कैप्चर द फ्लैग, डीकोड द स्कैम, ग्लोबल क्राइसिस चैलेंज, सेलेस्टिया, आर्डुपायलट और क्वांटम साइंस जैसी अनेक क्लब-नेतृत्व प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों में ऊर्जा का संचार किया।

विभागीय कार्यक्रमों ने इलेक्ट्रो हंट, कॉर्पोरेट कैटेलिस्ट, सॉल्वेंट स्टोरीज़, ब्रिज बस्टर्स और द हंट ऑफ RA जैसी प्रतियोगिताओं के साथ और अधिक विविधता जोड़ी। इनके साथ-साथ, रूम ऑफ नॉस्टेल्जिया, साइलेंट डिस्को, लेज़र टैग, टर्बो मेनिया और एस्केप रूम जैसे आकर्षक मनोरंजन ने पूरे परिसर में निरंतर उत्साह सुनिश्चित किया।

शाम का समापन SAC में एक टेक टॉक के साथ हुआ, इसके बाद OAT में प्रोनाइट 1 का आयोजन हुआ जिसमें DJ TRON3 ने प्रस्तुति दी, जिसने उत्सव के लिए एक विद्युतीय माहौल तैयार किया।

दिवस 2 – मुख्य प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक रात (8 नवंबर 2025)

दूसरे दिन प्रमुख प्रतियोगिताएँ और तीव्र हो गईं, जिसमें 24 घंटे का हैकाथॉन उन्नत विकास चरणों में प्रवेश कर गया।

प्रमुख आकर्षणों में एयरोक्वेस्ट (OAT), ई-स्पोर्ट्स – वेलोरेंट, और IIT बॉम्बे टेकफेस्ट ज़ोनल्स के सहयोगी कार्यक्रम जैसे मेशमेराइज़, कॉस्मो क्लेंच, टेकफेस्ट ओलंपियाड, AI ओलंपियाड और कोडकोड शामिल थे।

क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

- टोस्टमास्टर्स (TCH)
- जेन AI हैकाथॉन (DS क्लब)
- WCA (टिंकरिंग क्लब)
- इवॉल्वएक्स – प्रोजेक्टाथॉन (दीक्षा और मालवीय सभागार)
- अल्गो-वर्स (CS क्लब)

आयोजित कार्यशालाएँ:

- BIS क्लब द्वारा आयोजित कार्यशाला
- AI अनुभव कार्यशाला (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग)

विभागीय प्रतियोगिताओं में शामिल थे:

- मैजिक ऑफ ICE (मेटा टेक्नोलॉजीज़ विभाग)
- AD मेनिया (MBA)
- MAT क्विज़ (MRC विभाग)
- तंबोला (गणित विभाग)

कल्चरल अंडर-25 समिट (SAC लॉन) और ऑटो एक्सपो (ECE विभाग) ने उत्सव के दायरे को और विस्तृत किया।

दिन का समापन OAT में प्रोनाइट 2 के साथ हुआ जिसमें श्रेय लाइव ने प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हुए एक उच्च-ऊर्जा सांस्कृतिक रात प्रदान की।

स्फिंक्स 2025

नवाचार, प्रतिस्पर्धा और संस्कृति का उत्सव

दिवस 3 – विदाई समारोह और भव्य समापन (9 नवंबर 2025)

अंतिम दिन प्रतियोगिताओं की परिणति और उपलब्धियों का उत्सव रहा। 24 घंटे के हैकाथॉन का समापन अंतिम प्रस्तुतियों और परिणामों की घोषणा के साथ हुआ।

प्रमुख आकर्षणों में शामिल थे:

- रोबोवार्स
- ई-स्पोर्ट्स – फ्री फायर
- ई-स्पोर्ट्स वेलोरेंट फिनाले
- डिज़ाइन X

समापन दिवस पर क्लब कार्यक्रमों में शामिल थे:

- कोड माने (CS क्लब)
- एयरो-डायनामिक्स (एयरोमॉडलिंग क्लब)
- साइंस ट्रिविया (साइंस क्लब)
- AI मिस्ट्री चैलेंज (DS क्लब)
- क्रिक्स ब्लैकआउट प्रोटोकॉल (इन्फोसेक क्लब)
- कॉस्मिक क्वेस्ट (एस्ट्रोनॉमी क्लब)

विभागीय प्रतियोगिताओं में शामिल थे:

- द केमिकल चैलेंज – रसायन विभाग
- लॉन्च क्राफ्ट – यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
- फेज़ शिफ्ट – इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग
- बिडिंग वॉर – MBA विभाग (वित्त)
- ट्रेमर टेक – सिविल अभियांत्रिकी विभाग
- टाइप रेसर – कंप्यूटर विज्ञान विभाग

द इंडियन समिट का समापन समारोह और विदाई समारोह ने विजेताओं, स्वयंसेवकों और आयोजकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।

रूम ऑफ नॉस्टेल्जिया, साइलेंट डिस्को, लेज़र टैग, टर्बो मेनिया और एस्केप रूम जैसे मनोरंजक आकर्षणों ने उत्सव की भावना को बनाए रखा।

स्फिंक्स 2025 का समापन OAT में भव्य प्रोनाइट 3 के साथ हुआ, जिसमें B प्राक ने प्रस्तुति दी, जिनके शक्तिशाली और भावपूर्ण प्रदर्शन ने उत्सव को एक यादगार और भावनात्मक समापन प्रदान किया।

निष्कर्ष

स्फिंक्स 2025 ने तीन गतिशील दिनों में प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, रचनात्मकता और मनोरंजन को सफलतापूर्वक एक साथ लाया। 24 घंटे के हैकाथॉन, रोबोवार्स, एयरोक्वेस्ट, डिज़ाइन X और ई-स्पोर्ट्स जैसी प्रमुख प्रतियोगिताओं के साथ-साथ, अनेक क्लब-नेतृत्व और विभागीय कार्यक्रमों के साथ, उत्सव नवाचार, सहयोग और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लिए एक जीवंत मंच के रूप में उभरा।

कार्यक्रमों का सुचारू संचालन और उत्साहपूर्ण भागीदारी ने क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सवों में से एक के आयोजक के रूप में MNIT जयपुर की प्रतिष्ठा को पुनः दृढ़ किया।

स्फिंक्स 2025

नवाचार, प्रतिस्पर्धा और संस्कृति का उत्सव

स्फिंक्स 2025

नवाचार, प्रतिस्पर्धा और संस्कृति का उत्सव

पूर्व छात्र दिवस 2025

नवाचार, प्रतिस्पर्धा और संस्कृति का उत्सव

पूर्व छात्र दिवस 2025, MNIT जयपुर पूर्व छात्र संघ के सहयोग से, 25 दिसंबर 2025 को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर में मनाया गया, जिसमें संस्थान की विरासत और इसके पूर्व छात्र समुदाय के स्थायी बंधनों का स्मरण किया गया। इस अवसर पर 70 पूर्व छात्रों से मिलकर बने 1975 के स्वर्ण जयंती बैच और 250 पूर्व छात्रों से मिलकर बने 2000, ARCH-2001 और 2000 PG पास-आउट के रजत जयंती बैचों को सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरुआत प्रभा भवन में तिलक, साफा और ढोल के साथ पारंपरिक स्वागत से हुई, इसके बाद औपचारिक कार्यक्रम हुआ जिसमें दीप प्रज्ज्वलन और संस्थान कुलगीत शामिल थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर्किटेक्ट हबीब खान, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, MNIT जयपुर की उपस्थिति रही, साथ ही प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, MNIT जयपुर; प्रो. दिलीप शर्मा, डीन (अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामले); डॉ. आशीष दत्त शर्मा, अध्यक्ष, MNITJAA; डॉ. पवन कल्ला, सह-डीन (पूर्व छात्र मामले); और श्री महेंद्र मीणा, महासचिव, MNITJAA भी उपस्थित थे।

जुबली बैच के प्रतिनिधियों श्री संदीप नियाती और श्री राजेंद्र सोठवाल ने परिसर जीवन से व्यावसायिक उपलब्धियों तक की अपनी यात्राओं पर विचार साझा किए। प्रमुख आकर्षणों में AluMNITimes का विमोचन, सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान और जुबली सम्मान की प्रस्तुति शामिल थी। कार्यक्रम का समापन श्री महेंद्र मीणा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी गणमान्य व्यक्तियों, पूर्व छात्रों और ALCOM टीम को उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया, इसके बाद दोपहर का भोजन किया गया।

यूथफेस्ट 2026

उत्साह, संस्कृति और सामूहिक ऊर्जा का उत्सव

MNIT जयपुर ने 12-14 जनवरी 2026 तक यूथफेस्ट 2026 का आयोजन किया, जिसमें संस्कृति, खेल, परंपरा और छात्र भागीदारी को एक जीवंत तीन दिवसीय उत्सव में एक साथ लाया गया। थिंक इंडिया क्लब, MNIT जयपुर द्वारा आयोजित यह उत्सव विवेकानंद जयंती की भावना में आयोजित किया गया, जो स्वामी विवेकानंद की समग्र युवा विकास की दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है।

उद्घाटन समारोह – 12 जनवरी 2026

तीन दिवसीय यूथफेस्ट का औपचारिक उद्घाटन विवेकानंद जयंती के अवसर पर VLTC परिसर में किया गया। समारोह की शुरुआत प्रो. अखिलेंद्र भूषण गुप्ता, प्रो. कनुप्रिया सचदेव, डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी, प्रो. ज्योति जोशी और डॉ. संगीत एस. पिल्लई द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई।

इस अवसर पर, प्रो. ए. बी. गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणादायक विचार साझा किए, राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। प्रो. ज्योति जोशी ने थिंक इंडिया टीम के प्रयासों की सराहना की और छात्रों में नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को पोषित करने में ऐसी पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन ने आगे आने वाले उत्सवों के लिए एक विचारशील और ऊर्जावान माहौल तैयार किया।

यूथफेस्ट 2026

उत्साह, संस्कृति और सामूहिक ऊर्जा का उत्सव

लोहड़ी रात्रि – 13 जनवरी 2026

यूथफेस्ट समारोह के एक भाग के रूप में 13 जनवरी 2026 को VLTC के पिछले बरामदे में एक जीवंत लोहड़ी रात्रि का आयोजन किया गया। शाम में CMD क्लब द्वारा एक मनोरम कथक प्रस्तुति, डांस क्लब द्वारा ऊर्जावान प्रस्तुतियाँ, पारंपरिक लोहड़ी अनुष्ठान और एक जीवंत DJ नाइट शामिल थी, जिसने परिसर को उत्सवी उल्लास से भर दिया।

लगभग 2000 छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी के साथ, इस उत्सव ने MNIT समुदाय की सांस्कृतिक विविधता और एकता को प्रतिबिंबित किया। यह आयोजन परंपरा का उत्सव मनाते हुए परिसर के बंधन को मजबूत करने के लिए एक सार्थक मंच के रूप में काम आया।

खेल और मनोरंजक कार्यक्रम – 14 जनवरी 2026

यूथफेस्ट 2026 का अंतिम दिन, 14 जनवरी 2026 को ओपन एयर थिएटर (OAT) में आयोजित किया गया, जो खेल और मनोरंजक गतिविधियों को समर्पित था। छात्रों ने उत्साहपूर्वक निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया:

- पतंगबाज़ी (काई पोचे)
- बॉक्स क्रिकेट
- सतोलिया

इन गतिविधियों ने टीमवर्क, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया, जो स्वामी विवेकानंद की संतुलित शारीरिक और बौद्धिक विकास की दृष्टि के अनुरूप है।

यूथफेस्ट 2026

उत्साह, संस्कृति और सामूहिक ऊर्जा का उत्सव

NSS नींबू दौड़

उत्सव में एक जीवंत और संवादात्मक तत्व जोड़ते हुए, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) ने एक मनोरंजक और आकर्षक नींबू दौड़ का आयोजन किया। टीम-आधारित इस गतिविधि ने प्रतिभागियों के बीच समन्वय, उत्साह और खेल भावना को बढ़ावा दिया, साथ ही रचनात्मक भागीदारी के माध्यम से समुदाय-निर्माण के प्रति NSS की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ किया।

धीमी साइकिल प्रतियोगिता – भाषा क्लब

भाषा क्लब ने एक अनूठी धीमी साइकिल प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें संतुलन, धैर्य और नियंत्रण पर जोर दिया गया।

इस कार्यक्रम में छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और यह यूथफेस्ट 2026 के विशिष्ट आकर्षणों में से एक के रूप में उभरा। प्रतीकात्मक रूप से, इस प्रतियोगिता ने अनुशासन और सचेतनता के मूल्यों को प्रतिबिंबित किया, जो स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं से ली गई व्यापक प्रेरणा के साथ प्रतिध्वनित होती है।

यूथफेस्ट 2026 ने सांस्कृतिक उत्सव, मनोरंजक भागीदारी और सार्थक चिंतन को सफलतापूर्वक एक साथ जोड़ा। विवेकानंद जयंती पर गंभीर उद्घाटन से लेकर जीवंत लोहड़ी समारोह और ऊर्जावान खेल गतिविधियों तक, उत्सव ने छात्रों को परंपरा का उत्सव मनाने, प्रतिभा प्रदर्शित करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने के अवसर प्रदान किए।

उत्साहपूर्ण भागीदारी और सुचारू आयोजन ने समग्र विकास को बढ़ावा देने और सामाजिक रूप से जिम्मेदार युवाओं को तैयार करने के प्रति MNIT जयपुर की प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ किया।

विभागीय झलकियाँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (CEE)

भाग लिए गए कार्यक्रम

सूरज कुमार, राहुल कुमार पांडेय, सनी रॉय, अंबिका शर्मा और रिकविंदर सिंह (पीएच.डी.) ने IIT जोधपुर में X अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सस्टेनेबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल चैलेंजेज़ (X-SEEC 2025) में अपना शोध प्रस्तुत किया (15–18 दिसंबर 2025)

छात्रों ने ग्रेटर नोएडा में रिन्यूएबल एनर्जी एक्सपो 2025 का दौरा किया और 17 जनवरी 2026 को जयपुर में आयोजित भारत रिन्यूएबल एक्सपो (BRE) 2026 में भाग लिया, जिससे उन्हें नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्राप्त हुई।

डॉ. पारुल माथुरिया ने हांगकांग में 2026 IEEE PES अंतर्राष्ट्रीय बैठक (PESIM 2026) (18–21 जनवरी 2026) में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपना शोध पत्र "लचीले ग्रिड संचालन को समर्थन देने के लिए वर्चुअल स्टोरेज सिस्टम के रूप में ग्रिड-इंटरएक्टिव बिल्डिंग्स" प्रस्तुत किया। IEEE PES वीमेन इन एनर्जी ट्रैवल ग्रांट द्वारा आंशिक रूप से समर्थित, उनकी भागीदारी ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाया और लचीली एवं टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों में संस्थान के शोध को प्रदर्शित किया।

डॉ. कपिल पारीक ने 21–24 जनवरी 2026 को सिंगापुर में आयोजित 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन नैनो एंड मटेरियल्स साइंस (ICNMS 2026) में "तीव्र चार्जिंग और निम्न-तापमान साइक्लिंग के अंतर्गत इलेक्ट्रोड सामग्री का व्यवहार" शीर्षक अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने अत्यधिक परिचालन स्थितियों में इलेक्ट्रोड सामग्री के प्रदर्शन पर हालिया शोध को प्रदर्शित किया, जिसने बैटरी टिकाऊपन और तीव्र-चार्जिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति में योगदान दिया।

आमंत्रित वार्ताएँ / विशेषज्ञ भूमिकाएँ

डॉ. भूपेंद्र खंडेलवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ अलाबामा (USA) में एसोसिएट प्रोफेसर, शैक्षणिक संवाद और शोध चर्चा के लिए 9 जनवरी 2026 को केंद्र में आए।

विभागीय झलकियाँ

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

भाग लिए गए कार्यक्रम

डॉ. दिपालोय दत्ता, यश सोनी, लोकेश जाजू, सोम्या गुप्ता, जितेश कुमार आचार्य, इमरान ताज और विजय गौतम ने 27–30 दिसंबर 2025 तक अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु में आयोजित 78वें भारतीय रासायनिक अभियंता कांग्रेस (CHEMCON 2025) में अपना कार्य प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियाँ डीप यूटेक्टिक सॉल्वेंट्स के उभरते अनुप्रयोगों पर केंद्रित थीं।

प्रांजल वर्मा, सुरजीत घोष और दिपालोय दत्ता ने PYROASIA 2025, पटाया, थाईलैंड (10–12 दिसंबर 2025) में विभाग का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने संगमरमर-अपशिष्ट-संशोधित बायोचार का उपयोग करके रंग निष्कासन पर शोध प्रस्तुत किया।

आयोजित कार्यक्रम

हस्तनिर्मित कागज़ सर्कुलर अर्थव्यवस्था के लिए विकेंद्रीकृत बायोचार-आधारित अपशिष्ट जल उपचार पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 21–22 जनवरी 2026 को लॉफबरो विश्वविद्यालय (UK) और KNHPI, जयपुर के सहयोग से आयोजित की गई।

आमंत्रित वार्ताएँ / विशेषज्ञ भूमिकाएँ

विभाग ने सस्केचेवान विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया, जिसमें प्रो. बलजीत सिंह, प्रो. माइकल ब्रैडली और प्रो. अजय दलाई शामिल थे, जो शोध सहयोग और शैक्षणिक आदान-प्रदान पर चर्चा के लिए आए थे।

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

भाग लिए गए कार्यक्रम

डॉ. स्मिता नवल, प्रो. विजय लक्ष्मी और अंकित पुलकित ने IIT मद्रास में पाँचवें ISEA अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सिक्योरिटी एंड प्राइवेसी 2026 (16–18 जनवरी 2026) में सिस्टम सुरक्षा के लिए eBPF का उपयोग करके माइक्रोआर्किटेक्चरल टाइमिंग व्यवहार पर एक ट्यूटोरियल प्रस्तुत किया।

शिक्षक सदस्यों ने ICIoTCT 2025 और **IEEE अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन मॉडलिंग**, सिमुलेशन एंड इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग में भी शोध पत्र प्रस्तुत किए, जिससे साइबर सुरक्षा, IoT और बुद्धिमान प्रणालियों पर चर्चा में योगदान दिया।

आयोजित कार्यक्रम

विभाग ने 2–7 जनवरी 2026 तक दुर्भावनापूर्ण एंड्रॉइड एप्लिकेशन के विश्लेषण पर ISEA-III बूटकैंप का आयोजन किया, जिसका समन्वय प्रो. विजय लक्ष्मी, डॉ. ज्योति ग्रोवर और डॉ. स्मिता नवल द्वारा किया गया।

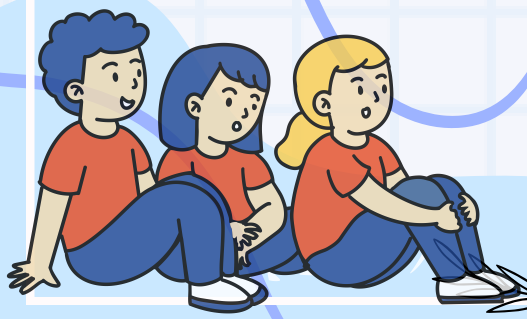

विभागीय झलकियाँ

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग (ECE)

भाग लिए गए कार्यक्रम

श्री मनीष जांगिड़ (पीएच.डी. शोधार्थी) ने 26–30 अक्टूबर 2025 तक डेनवर, USA में आयोजित फ्रंटियर्स इन ऑप्टिक्स + लेज़र साइंस (FiO-LS 2025) में भाग लिया।

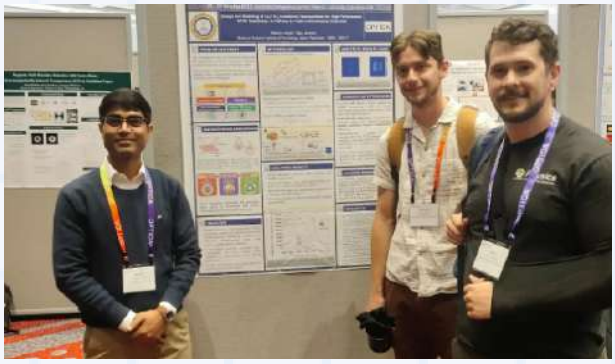

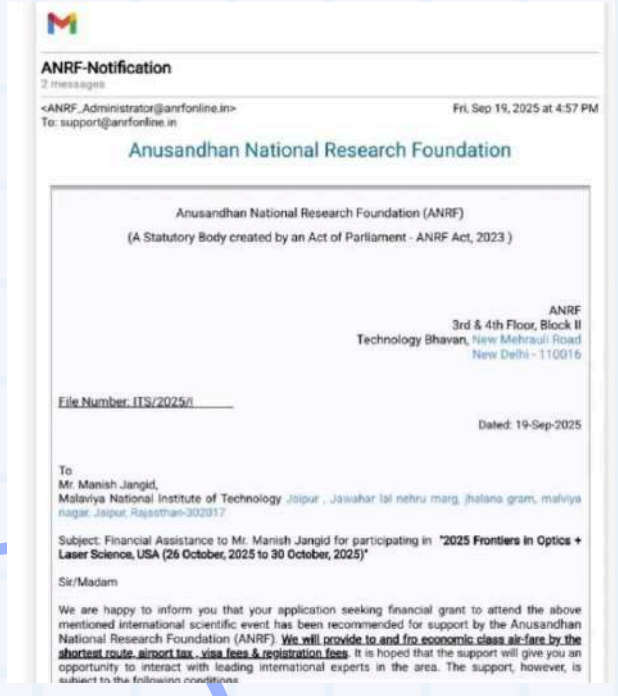

ANRF-Notification

2 messages

<ANRF_Administrator@anrfonline.in> Fri, Sep 19, 2025 at 4:57 PM
To: support@anrfonline.in

Anusandhan National Research Foundation

Anusandhan National Research Foundation (ANRF)

(A Statutory Body created by an Act of Parliament - ANRF Act, 2023)

ANRF
3rd & 4th Floor, Block II
Technology Bhavan, New Mehrauli Road
New Delhi - 110016

File Number: ITS/2025/I

Dated: 19-Sep-2025

To
Mr. Manish Jangid,
Malaviya National Institute of Technology Jaipur , Jawahar lal nehru marg, jhalana gram, malviya nagar, Jaipur, Rajasthan-302017

Subject: Financial Assistance to Mr. Manish Jangid for participating in **"2025 Frontiers in Optics + Laser Science, USA (26 October, 2025 to 30 October, 2025)"**

Sir/Madam

We are happy to inform you that your application seeking financial grant to attend the above mentioned international scientific event has been recommended for support by the Anusandhan National Research Foundation (ANRF). **We will provide to and fro economic class air-fare by the shortest route, airport tax , visa fees & registration fees.** It is hoped that the support will give you an opportunity to interact with leading international experts in the area. The support, however, is subject to the following conditions

डॉ. कुलदीप सिंह ने 5–6 दिसंबर 2025 को फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में CSI फोकस LAA & D-HF सम्मेलन में अपनी नवाचारी AI-सक्षम स्पीकिंग स्टेथोस्कोप प्रस्तुत की।

आयोजित कार्यक्रम

विभाग ने दूरसंचार विभाग के सहयोग से 19 जनवरी 2026 को संचार मित्रास ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया।

MeitY-समर्थित UAS (ड्रोन) बूटकैंप 11–18 जनवरी 2026 तक आयोजित किया गया।

विभागीय झलकियाँ

ब्रह्मोस परियोजना पर एक संवादात्मक सत्र 9 जनवरी 2026 को ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ मंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया।

प्रो. अनुपम शुक्ला और प्रो. राजीव त्रिपाठी के साथ एक शिक्षक संवाद सत्र 8 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग (HSS)

आयोजित कार्यक्रम

HUMPALS का 28वाँ सत्र 19 जनवरी 2026 को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, MNIT जयपुर के तत्वावधान में “MGNREGA से VB–GRAM G में संक्रमण का बहुविषयी प्रभाव” विषय पर आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत विभाग में नए शोधार्थियों के परिचय से हुई, जिसने HUMPALS पहल की मूल भावना स्व-अध्ययन और सह-अध्ययन को प्रतिबिंबित किया।

विभागीय झलकियाँ

इस सत्र में फैकल्टी सदस्यों और शोधार्थियों ने ग्रामीण नीति ढांचे में हो रहे इस परिवर्तन तथा इसके ग्रामीण रोजगार, शासन व्यवस्था और विकास पर संभावित प्रभावों पर चर्चा की। आर्थिक, समाजशास्त्रीय और नीतिगत दृष्टिकोणों से हुए इस बहुविषयी संवाद ने समकालीन ग्रामीण विकास चुनौतियों पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। सत्र का समापन सारगर्भित विचारों के साथ हुआ, जिसमें बदलती ग्रामीण नीतियों के व्यापक सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया।

विभाग ने महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत 10–17 दिसंबर 2025 तक यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह मनाया।

STEM शिक्षा में लैंगिक समानता बढ़ाने पर ICSSR-प्रायोजित कार्यशाला 12 दिसंबर 2025 को आयोजित की गई।

विभाग ने 7 नवंबर 2025 को स्फिंक्स'25 के दौरान "द हंट ऑफ रा" का आयोजन किया।

बेसिक इकोनॉमिक्स पाठ्यक्रम के अंतर्गत 20 नवंबर 2025 को एक छात्र पोस्टर गतिविधि आयोजित की गई।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

भाग लिए गए कार्यक्रम

डॉ. पंकज कुमार गुप्ता ने ICHESMET 2025 (2–4 दिसंबर 2025) में पर्यावरण-अनुकूल स्थानांतरण समाधानों पर प्रस्तुति दी।

विभागीय झलकियाँ

डॉ. अनुप मलिक ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एडवांसेज़ इन मटेरियल्स एंड मैन्युफैक्चरिंग (7–9 नवंबर 2025) में EDCLG प्रक्रियाओं और फ्रैक्टल माइक्रोचैनल हीट सिंक पर प्रस्तुति दी।

शिक्षक सदस्यों ने 5–6 जनवरी 2026 को आयोजित राष्ट्रीय शिक्षाशास्त्र कार्यशाला (CBDE कार्यक्रम) में भाग लिया।

आयोजित कार्यक्रम

तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 12 नवंबर 2025 को CV लेखन और साक्षात्कार तैयारी पर एक सत्र आयोजित किया गया।

आमंत्रित वार्ताएँ

डॉ. गुंजन सोनी ने ATAL अकादमी पहल के अंतर्गत IIITM ग्वालियर में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. राजीव अग्रवाल ने 8–20 दिसंबर 2025 तक BIT मेसरा में शिक्षक विकास कार्यक्रम में वक्ता के रूप में सेवा की।

धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग (MME)

आयोजित कार्यक्रम

विभाग को प्रो. बी.एस. मूर्ति, निदेशक, IIT हैदराबाद और अध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स की MNIT जयपुर यात्रा के दौरान उनकी मेज़बानी करने का सम्मान प्राप्त हुआ। उनका स्वागत प्रो. राजेंद्र गोयल, विभागाध्यक्ष (MME) और अध्यक्ष, IIM जयपुर चैप्टर द्वारा किया गया।

प्रो. मूर्ति ने शिक्षक सदस्यों, छात्रों और IIM जयपुर चैप्टर के कार्यकारी सदस्यों के साथ संवाद किया, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी में उभरती शोध दिशाओं पर अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के सेमीकंडक्टर सामग्री और महत्वपूर्ण खनिजों पर विशेष जोर दिया गया।

शोध उपलब्धियाँ और परियोजनाएँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

"इंडो-स्वीडन ग्रीन बायोमास फ्रॉम इंटरमीडिएट क्रॉप्स: लीफ प्रोटीन, बायोएक्टिव कंपाउंड्स, बायोगैस और बायोस्टिमुलेंट्स का सर्कुलर उत्पादन [नवंबर-2025]", DBT, भारत सरकार, लागत (लाख): 149.74, PI: डॉ. विवेकानंद

"उन्नत हाइड्रोजन उत्पादन के लिए बायो-फोटोलिटिक पाथवे को मॉड्यूलेट करना और किण्वनीय बायोमास के बहु-एंजाइमेटिक पूर्व-उपचार को एकीकृत करना [नवंबर-2025]", DBT, भारत सरकार, लागत (लाख): 88.00, PI: डॉ. विवेकानंद

"जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन – हाइड्रोजन वैली इनोवेशन क्लस्टर [दिसंबर-2025]", DST, भारत सरकार, लागत (लाख): 50.00, PI: डॉ. कपिल पारीक

"एक इलाके के लिए ऊर्जा, तापीय प्रदर्शन और मापनीयता पर BIPV एकीकरण प्रभाव का आकलन [नवंबर-2025]", AMRUT, लागत (लाख): 8.96, PI: डॉ. अमर्त्य चौधरी

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (CEE)

डॉ. विवेकानंद को IIT रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एडवांसेज़ इन बायोटेक्नोलॉजी (ICABSB-2025) (11–14 दिसंबर 2025) में बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, इंडिया (BRSI) से मालवीय स्मृति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र को 20 जनवरी 2026 को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (RECA) प्रदान किया गया, जो श्री हीरालाल नागर, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ऊर्जा, राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया — दो लगातार अवधियों (2022–23 और 2023–24) के लिए।

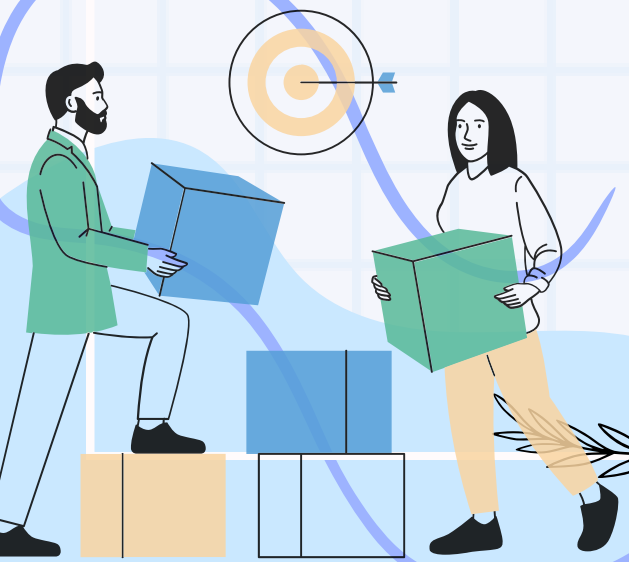

शोध उपलब्धियाँ और परियोजनाएँ

डॉ. कपिल पारीक, डॉ. विवेकानंद और डॉ. अमर्त्य चौधरी ने DBT, DST और AMRUT से बाह्य वित्त पोषित शोध परियोजनाएँ प्राप्त कीं (विवरण परियोजनाएँ अनुभाग में दिया गया है)।

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान, कनाडा के साथ MoU पर हस्ताक्षर (29–30 अक्टूबर 2025)प्रो. एन.पी. पाढ़ी और प्रो. बलजीत सिंह द्वारा हस्ताक्षरित, जिसमें स्थापित किया गया:

- दोहरी डिग्री पीएच.डी. कार्यक्रम
- संयुक्त शोध सहयोग
- शिक्षक और छात्र विनिमय पहलें

प्रो. मधु अग्रवाल ने "हस्तनिर्मित कागज़ सर्कुलर अर्थव्यवस्था के लिए विकेंद्रीकृत बायोचार-आधारित अपशिष्ट जल उपचार" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (21–22 जनवरी 2026) का सह-समन्वय किया, जो लॉफबरो विश्वविद्यालय, UK और KNHPI जयपुर के सहयोग से आयोजित की गई।

शिक्षकों ने लैंगमुइर, केमिकल इंजीनियरिंग साइंस, बायोमास एंड बायोएनर्जी, सोलर एनर्जी और अन्य सहित उच्च-प्रभाव वाले अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में अनेक शोध पत्र प्रकाशित किए।

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. दीपक रंजन नायक को ANRF – MATRICS शोध अनुदान (₹30 लाख, 5 वर्ष) प्रदान किया गया।

पाँचवें ISEA अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सिक्योरिटी एंड प्राइवेसी 2026 (IIT मद्रास) में स्वीकृत ट्यूटोरियल, शीर्षक:
"सिस्टम सुरक्षा के लिए eBPF का उपयोग करके माइक्रोआर्किटेक्चरल टाइमिंग व्यवहार का अवलोकन और विश्लेषण"
अंकित पुलकित, डॉ. स्मिता नवल, प्रो. विजय लक्ष्मी द्वारा प्रस्तुत।

10+ जर्नल प्रकाशन और 12+ सम्मेलन पत्र अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत किए गए, जिनमें ICIoTCT 2025 और IEEE अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग (ECE)

प्रो. घनश्याम सिंह को नियुक्त किया गया:

- विजिटिंग प्रोफेसर, टॉन डक थांग विश्वविद्यालय, वियतनाम (QS रैंक 684, 2026)
- अध्यक्ष (इलेक्ट-2027), प्रकाश भारती (IEEE फोटोनिक्स सोसाइटी, USA-समर्थित निकाय)
- अध्यक्ष (इलेक्ट), IEEE फोटोनिक्स सोसाइटी दिल्ली सेक्शन चैप्टर (जनवरी 2026 से प्रभावी)

श्री जीवन कुमार जैन, तकनीकी अधिकारी, को इंटरनेशनल हार्मनी फोरम द्वारा अटल SAARC गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया।

शिक्षक संवाद सत्र आयोजित किया गया:

- प्रो. अनुपम शुक्ला (निदेशक, NIT सूरत)
- प्रो. राजीव त्रिपाठी (MNNIT इलाहाबाद)

डॉ. सत्यसाई जगन्नाथ नंदा ने दूरसंचार विभाग, राजस्थान LSA के सहयोग से संचार मित्रास ओरिएंटेशन कार्यक्रम (19 जनवरी 2026) का समन्वय किया।

शोध उपलब्धियाँ और परियोजनाएँ

MeitY-समर्थित UAS (ड्रोन) बूटकैंप आयोजित किया गया (11–18 जनवरी 2026)।

ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ मंडल (IAF) के साथ ब्रह्मोस परियोजना पर संवादात्मक सत्र (9 जनवरी 2026)।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग (HSS)

प्रो. मंजू सिंह:

- सदस्य, सलाहकार समिति – 43वाँ वार्षिक सम्मेलन (राजस्थान आर्थिक संघ), राजस्थान विश्वविद्यालय (19–20 दिसंबर 2025)।
- पैनलिस्ट – "जर्नल की पुनर्कल्पना और सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन की रणनीतियाँ" पर कार्यशाला (IDS जयपुर, 16 दिसंबर 2025)।
- पैनलिस्ट – "विकसित राजस्थान और विकसित भारत @2047 में भारतीय प्रवासी की भूमिका" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (12–13 दिसंबर 2025)।
- सत्र अध्यक्ष एवं विशेषज्ञ वक्ता – NEP 2020 ओरिएंटेशन कार्यक्रम, इलाहाबाद विश्वविद्यालय (8 नवंबर 2025)।
- संसाधन व्यक्ति – "मानविकी और सामाजिक विज्ञान में शोध की पुनर्कल्पना" (मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, 3–6 नवंबर 2025)।

प्रो. नूपुर टंडन ने यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह (10–17 दिसंबर 2025) का समन्वय किया।

डॉ. निधि बंसल ने "नीति से अभ्यास तक: STEM शिक्षा में लैंगिक समानता बढ़ाना" पर ICSSR-प्रायोजित कार्यशाला (12 दिसंबर 2025) का आयोजन किया।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षकों ने CRC प्रेस, स्प्रिंगर और एल्सेवियर (2025) के साथ पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए।

शोध पत्र निम्नलिखित में प्रस्तुत किए गए:

- ICHESMET 2025 (2–4 दिसंबर 2025)
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एडवांसेज़ इन मटेरियल्स, मैन्युफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट (7–9 नवंबर 2025)
- 23वाँ ISME अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (17–19 दिसंबर 2025)

MIIC (MNIT नवाचार एवं इनक्यूबेशन केंद्र)

प्रो. मोनिका शर्मा (प्रमुख, MIIC) ने राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन (NIF) के सहयोग से INSPIRE अवार्ड्स–MANAK मेंटरशिप कार्यशाला का नेतृत्व किया।

शोध उपलब्धियाँ और परियोजनाएँ

2025 में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर के शोधकर्ताओं द्वारा Scopus में सूचीबद्ध कुल 1,196 शोध प्रकाशन किए गए, जो संस्थान की सशक्त शोध गतिविधियों को दर्शाते हैं। इन प्रकाशनों में 839 जर्नल लेख, 179 सम्मेलन शोधपत्र, 79 पुस्तक अध्याय तथा 60 समीक्षा लेख शामिल हैं, साथ ही अन्य शैक्षणिक योगदान भी सम्मिलित हैं। अभियांत्रिकी, विज्ञान और अंतःविषयी क्षेत्रों में फैला यह विविध प्रकाशन पोर्टफोलियो उच्च गुणवत्ता वाले शोध के प्रति MNIT जयपुर की निरंतर प्रतिबद्धता तथा वैश्विक शैक्षणिक समुदाय में उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित करता है।

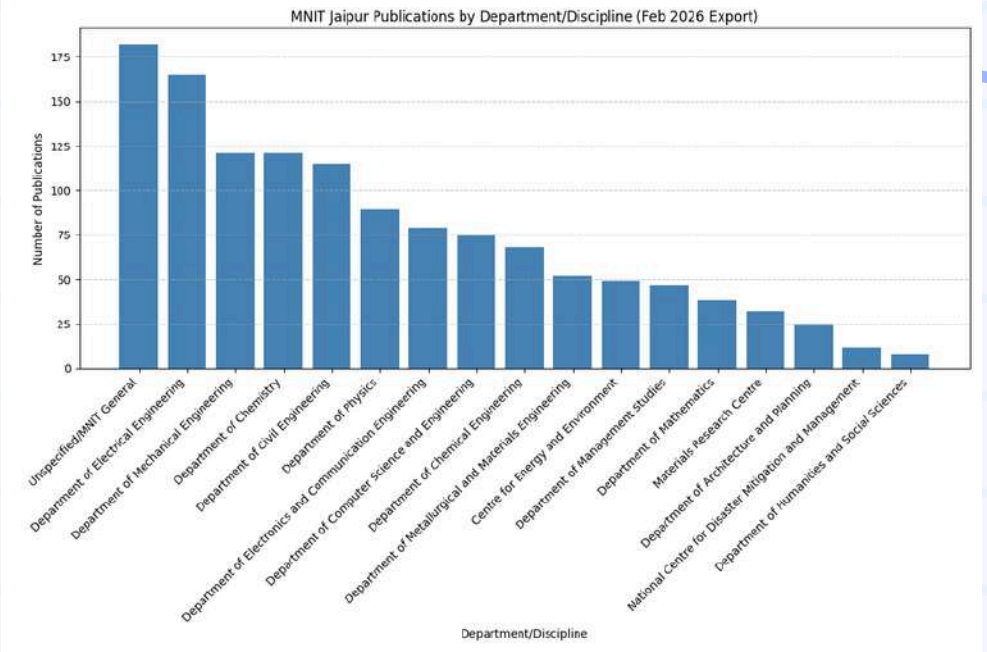

सम्मेलन और संगोष्ठियाँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (CEE)

CEE शोधार्थियों ने IIT जोधपुर में X अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सस्टेनेबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल चैलेंजेज़ (X-SEEC 2025) (15–18 दिसंबर 2025) में पोस्टर प्रस्तुत किए।

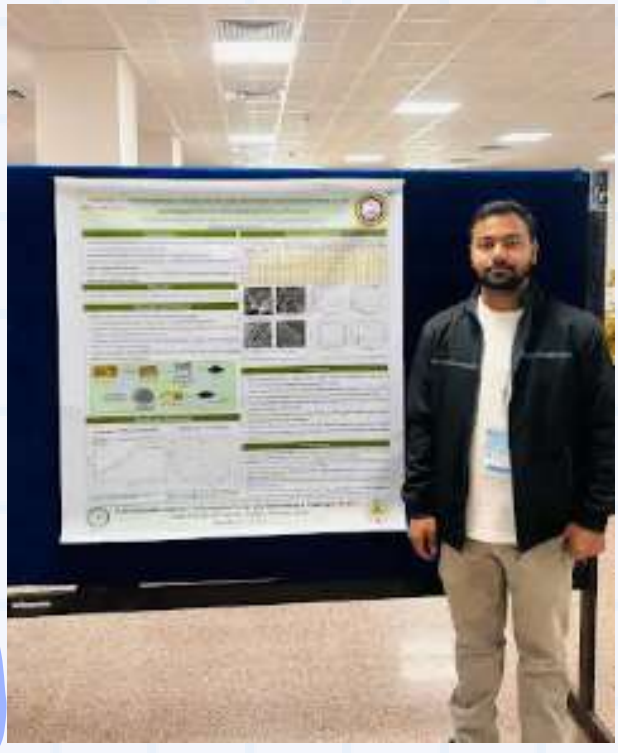

सम्मेलन और संगोष्ठियाँ

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों ने 78वें इंडियन केमिकल इंजीनियर्स कांग्रेस (CHEMCON 2025), अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु (27–30 दिसंबर 2025) में अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

शोध कार्य 5वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑन एनालिटिकल एंड एप्लाइड पाइरोलिसिस (PYROASIA 2025), पटाया, थाईलैंड (10–12 दिसंबर 2025) में भी प्रस्तुत किया गया।

हैंडमेड पेपर सर्कुलर इकोनॉमी के लिए विकेन्द्रीकृत बायोचार-आधारित अपशिष्ट जल उपचार पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 21–22 जनवरी 2026 को लॉफबरो विश्वविद्यालय (यूके) और केएनएचपीआई जयपुर के सहयोग से आयोजित की गई।

सम्मेलन और संगोष्ठियाँ

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग (एचएसएस)

प्रोफेसर मंजू सिंह ने राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित 43वें वार्षिक सम्मेलन (राजस्थान आर्थिक संघ) में सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया (19-20 दिसंबर 2025)।

आईडीएस जयपुर में सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन के लिए रणनीतियों और एक पत्रिका की पुनर्कल्पना पर कार्यशाला में पैनलिस्ट (16 दिसंबर 2025)।

विकसित राजस्थान और विकसित भारत में भारतीय प्रवासियों की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पैनलिस्ट @2047 (12-13 दिसंबर 2025)।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एनईपी 2020 ओरिएंटेशन प्रोग्राम में सत्र अध्यक्ष और विशेषज्ञ वक्ता (8 नवंबर 2025)।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. पंकज कुमार गुप्ता ने ICHESMET 2025 (2-4 दिसंबर 2025) में प्रस्तुति दी।

डॉ. अनुप मलिक ने एडवांसेज इन मैटेरियल्स, मैन्युफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (7-9 नवंबर 2025) में प्रस्तुति दी।

डॉ. राजीव अग्रवाल ने 23वें आईएसएमई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (17-19 दिसंबर 2025) में प्रस्तुति दी।

खगोल भौतिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला (09-11 जनवरी 2026)

एमएनआईटी जयपुर ने एमेच्योर एस्ट्रोनॉमी सोसाइटी के सहयोग से खगोल भौतिकी पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. कनक शाह और डॉ. भरत अदुर सहित विशेषज्ञों के व्याख्यान, खगोलीय गणनाओं पर व्यावहारिक सत्र और जंतर-मंतर का शैक्षिक भ्रमण शामिल था।

कार्यशाला का समापन महेशवास खुर्द में संवादात्मक चर्चाओं और रात्रि आकाश अवलोकन सत्र के साथ हुआ, जिससे प्रतिभागियों को अकादमिक जानकारी और व्यावहारिक अनुभव दोनों प्राप्त हुए।

सम्मेलन और सेमिनार

संस्थान व्याख्यान श्रृंखला

MIND 2025 – 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी और डेटा साइंस पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (MIND 2025) का उद्घाटन निदेशक प्रोफेसर नारायण प्रसाद पाढ़ी ने "भविष्य के नेटवर्क और डेटा-संचालित नवाचारों के लिए बुद्धिमान प्रणालियाँ" विषय के तहत किया।

प्रोफेसर एन. पी. पाढ़ी द्वारा एआई-संचालित ऊर्जा प्रणालियों पर और प्रोफेसर मनन सूरी (आईआईटी दिल्ली) द्वारा नॉन-वोलेटाइल मेमोरी आर्किटेक्चर पर दिए गए मुख्य भाषणों ने सम्मेलन को एक सशक्त अंतःविषयक और अनुसंधान-केंद्रित माहौल प्रदान किया। इस सम्मेलन में एआई, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान के विशेषज्ञ एक साथ आए, जिससे नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिला।

सम्मेलन और सेमिनार

समावेशी कृषि वित्त पर विशेषज्ञ संवाद (16 दिसंबर 2025)

एमएनआईटी जयपुर ने समावेशी कृषि वित्त प्रणाली को सुदृढ़ करने पर केंद्रीय पुस्तकालय में एक विशेषज्ञ संवाद का आयोजन किया। सत्र में हितधारकों के सहयोग, प्रणाली मानचित्रण और नीति-स्तर पर कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सरकारी निकायों, बैंकों, सहकारी समितियों, स्टार्टअप्स और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पैनल चर्चा – सतर्कता जागरूकता सप्ताह (03 नवंबर 2025)

निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी की अध्यक्षता में, एमएनआईटी जयपुर ने "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" शीर्षक से एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

विशिष्ट विशेषज्ञों ने संस्थागत अखंडता, कानूनी ढांचे और साइबर सतर्कता पर चर्चा की, जिसमें शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक जिम्मेदारी पर जोर दिया गया।

सम्मेलन और सेमिनार

प्रोफेसर रवि पी. अग्रवाल द्वारा व्याख्यान (02 दिसंबर 2025)

एमएनआईटी जयपुर को संस्थान व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत अमेरिका के फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मानद शोध प्रोफेसर रवि पी. अग्रवाल की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। डीन (शैक्षणिक मामलों) प्रोफेसर डी. बुलचंदानी ने उनका औपचारिक स्वागत किया।

प्रोफेसर अग्रवाल ने एक अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जिससे छात्रों और शिक्षकों को उन्नत गणितीय चिंतन और समकालीन अनुसंधान दृष्टिकोणों से जुड़ने का अवसर मिला। संस्थान उनके प्रेरणादायक योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

डीनरी की पहल

डीन, अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामले

कनाडा के सस्केचेवान विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन (29-30 अक्टूबर 2025)

केमिकल इंजीनियरिंग में डुअल डिग्री पी.एच.डी. कार्यक्रम स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते में संयुक्त अनुसंधान सहयोग, संकाय और छात्र विनिमय शामिल हैं।

प्रवेशित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का समर्थन सस्केचेवान विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा, जिससे एमएनआईटी की वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी मजबूत होगी।

वित्तीय साक्षरता पर अतिथि व्याख्यान (30 अक्टूबर 2025)

"स्मार्ट वित्तीय आदतों से खुद को सशक्त बनाएं" विषय पर एमएनआईटीजेएए के साथ संयुक्त रूप से मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम।

श्री निकुंज शर्मा (निदेशक एवं प्रमुख – निवेशक जागरूकता एवं प्रशिक्षण, सीआईईएल) द्वारा प्रस्तुत, जिसकी पहल पूर्व छात्र श्री विकास सुद्रानिया (बैच 1994) ने की थी।

इसमें अनुशासित निवेश, एसआईपी, चक्रवृद्धि ब्याज और सट्टेबाजी के जोखिमों से बचने के बारे में बताया गया है।

अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर दिलीप शर्मा (डीन I&AA), डॉ. पवन कल्ला (AD-AA), और डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, MNITJAA) ने किया।

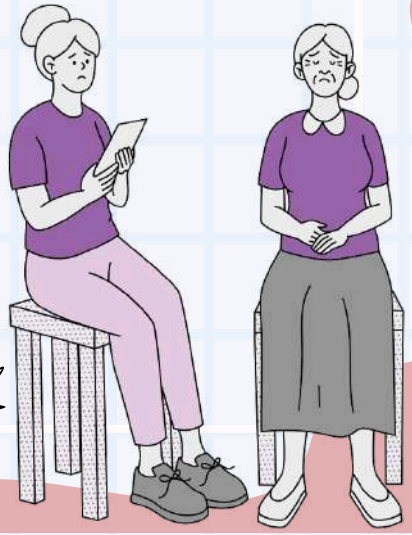

डीनरी पहल

पूर्व छात्रों का अतिथि व्याख्यान (8 जनवरी 2026)

श्री सचिन कीर्तने (बी.ई. सिविल, 2002 बैच) द्वारा दिया गया व्याख्यान।

राजमार्ग इंजीनियरिंग, अवसंरचना डिजाइन और परियोजना प्रबंधन में कैरियर के अवसरों पर केंद्रित।

डीन, अनुसंधान एवं परामर्श विभाग

जेनपैक्ट चेयर प्रोफेसरशिप (24 दिसंबर 2025)

एमएनआईटी जयपुर में उद्योग जगत द्वारा वित्त पोषित 1 करोड़ रुपये की एक चेयर स्थापित की गई है।

मुख्य फोकस क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और प्रोसेस इंटेंसिफिकेशन शामिल हैं।

उद्योग-अकादमिक सहयोग और व्यावहारिक अनुसंधान पहलों को मजबूत करता है।

डीएसटी – अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग के साथ बातचीत (26 दिसंबर 2025)

एनकेएन-1 में डॉ. प्रवीण कुमार एस., प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, डीएसटी, नई दिल्ली के साथ संकाय संवाद सत्र आयोजित किया गया।

एसोसिएट डीन (रिसर्च) डॉ. राहुल सिंघल द्वारा समन्वित।

डीनरी पहल

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, डीएसटी पहलों, वित्तपोषण के अवसरों और वैश्विक शैक्षणिक जुड़ाव पर केंद्रित।

डीन, इनोवेशन और इनक्यूबेशन (एमआईआईसी)

इंस्पायर (INSPIRE) अवार्ड्स–मानक (MANAK) मेंटरशिप कार्यशाला

राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन (एनआईएफ) के सहयोग से आयोजित।

प्रोटोटाइप विकास और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की तैयारी के लिए 51 छात्र नवप्रवर्तकों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

डीनरी पहल

फिट (FITT)–आईआईटी दिल्ली और मारुति सुजुकी आउटरीच सत्र

“क्वेस्ट फॉर क्लीन एयर 2025” के अंतर्गत आयोजित

इसमें स्टार्टअप फंडिंग के अवसरों को शामिल किया गया है, जिसमें बीआईआरएसी बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) योजना भी शामिल है।

दो दिवसीय सीबीडीई शिक्षण कार्यशाला (5-6 जनवरी 2026)

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया है।
डिजाइन थिंकिंग, नवाचार शिक्षाशास्त्र और अनुभवात्मक शिक्षण पद्धतियों पर केंद्रित।

शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम (15 दिसंबर 2025 – 10 जनवरी 2026)

डिप्लोमा छात्रों के लिए चार सप्ताह का संरचित कार्यक्रम।

इसमें उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार, संचार कौशल और उद्योग के लिए तैयारी पर सत्र शामिल थे।

डीनरी पहल

स्टार्टअप की उपलब्धियां

एमआईआईसी द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप केयरलीवर्स इनर सर्कल (सीएलसी) को फोर्ब्स इंडिया 30 अंडर 30 - 2026 (सोशल इम्पैक्ट) में शामिल किया गया है।

वी-कास इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को अपने हाइब्रिड इवेपोरेटिव कंडेंसर इनोवेशन के लिए एक तकनीकी पेटेंट प्रदान किया गया।

राजभाषा कक्ष

पहली त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला (15 जनवरी 2026)

केंद्रीय पुस्तकालय में "संघ की आधिकारिक भाषा नीति" विषय पर आयोजित कार्यक्रम।

संकाय और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया; पाठ्यक्रम पूरा होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

संस्थागत उपलब्धियाँ और महत्वपूर्ण पड़ाव

राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च संस्थागत सम्मान – राष्ट्र गौरव पुरस्कार 2025

एमएनआईटी जयपुर को प्राइड ऑफ नेशनल अवार्ड्स 2025 में प्रतिष्ठित प्रीमियर नेशनल इंस्टीट्यूशन ऑनर से सम्मानित किया गया है, जो संस्थान को भारत के शीर्ष 9 केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों/विश्वविद्यालयों में से एक के रूप में मान्यता देता है।

यह पुरस्कार वेटरन्स इंडिया द्वारा विजय दिवस (16 दिसंबर 2025) को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में प्रदान किया गया और निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी ने इसे ग्रहण किया। यह सम्मान एमएनआईटी जयपुर की शिक्षा, अनुसंधान और राष्ट्र निर्माण में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है।

भारत रत्न पं. की 164वीं जयंती मदन मोहन मालवीय

जयपुर के एमएनआईटी में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की 164वीं जयंती को श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी के नेतृत्व में और बीएचयू पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष श्री के. विक्रम रस्तोगी की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में महामना की प्रतिमा पर माल्यार्पण, प्रेरणादायक भाषण, छात्रों की जीवंत प्रस्तुतियां और पूर्व छात्रों के साथ सार्थक संवाद शामिल थे।

इस समारोह ने संस्थान की समावेशी शिक्षा, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के आदर्शों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिनकी परिकल्पना इसके संस्थापक ने की थी।

भारतीय ज्ञान प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र (आईकेएस) का उद्घाटन

एमएनआईटी जयपुर ने ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हॉल, वीएलटीसी में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के लिए उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को समकालीन अनुसंधान और नवाचार के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संस्थागत उपलब्धियाँ और महत्वपूर्ण पड़ाव

भारतीय ज्ञान प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र (आईकेएस) का उद्घाटन

एमएनआईटी जयपुर ने ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हॉल, वीएलटीसी में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के लिए उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को समकालीन अनुसंधान और नवाचार के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संस्थान को गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिनके संबोधन ने संकाय और छात्रों दोनों को समान रूप से प्रेरित किया। यह केंद्र वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को आगे बढ़ाते हुए अंतःविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के एमएनआईटी के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है।

पूर्व छात्रों की सहभागिताएँ

इस तिमाही के दौरान, एमएनआईटी जयपुर ने मान्यता, मार्गदर्शन और सार्थक परिसर पुनर्मिलन के माध्यम से अपने पूर्व छात्रों के साथ संबंध मजबूत किए, जो संस्थान के मजबूत और स्थायी पूर्व छात्र नेटवर्क को दर्शाता है।

5वां पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह

संस्थान ने एमएनआईटी जयपुर पूर्व छात्र संघ (एमएनआईटीजेएए) के सहयोग से 24 दिसंबर 2025 को 5वें पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह का आयोजन किया, जिसमें 17 विशिष्ट पूर्व छात्रों को उनकी पेशेवर उत्कृष्टता और समाज तथा संस्थान में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष आर्किटेक्ट हबीब खान, प्रोफेसर नारायण प्रसाद पाढ़ी (निदेशक), प्रोफेसर दिलीप शर्मा (डीन, अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले), डॉ. पवन कल्ला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामले) और एमएनआईटीजेएए के सदस्य उपस्थित थे।

शाम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण श्री दिवाकर सिंघल (1993 बैच) द्वारा केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों के लिए 20 लाख रुपये की छात्रवृत्ति के योगदान की घोषणा थी, जो शैक्षणिक सहायता और संस्थागत विकास के प्रति पूर्व छात्रों की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

पूर्व छात्रों की सहभागिताएँ

एनएसएस रक्तदान शिविर (एचडीएफसी सहयोग)

एमएनआईटी जयपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा एचडीएफसी बैंक के सहयोग से आयोजित।

छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित किया गया।

यह संस्थान की सामुदायिक सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस पहल में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई और इसने स्थानीय स्वास्थ्य सेवा सहायता प्रयासों में योगदान दिया।

रूबी मीट – 1985 बैच

12 जनवरी 2026 को, एमएनआईटी जयपुर ने अपने रूबी मीट के लिए 1985 बैच के सदस्यों का स्वागत किया, जिससे पूर्व छात्र एक भावुक पुनर्मिलन के लिए परिसर में वापस आ गए।

कार्यक्रम के दौरान कुल 38 पूर्व छात्रों और उनके जीवनसाथियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन समारोह, संस्थान का कुलगीत गायन, संस्थान से संबंधित नवीनतम जानकारी, संवाद सत्र और परिसर भ्रमण शामिल थे। इस समारोह ने पूर्व छात्रों और उनके शिक्षण संस्थान के बीच अटूट भावनात्मक बंधन को दर्शाया।

पूर्व छात्र अतिथि व्याख्यान

पूर्व छात्रों के नेतृत्व में मार्गदर्शन की परंपरा को जारी रखते हुए, 8 जनवरी 2026 को श्री सचिन कीर्तने (बी.ई. सिविल इंजीनियरिंग, 2002 बैच) द्वारा एक पूर्व छात्र अतिथि व्याख्यान दिया गया।

"सिविल इंजीनियरों और वास्तुकला के छात्रों के लिए कैरियर के अवसरों को सशक्त बनाना" विषय पर बोलते हुए, उन्होंने राजमार्ग इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचा डिजाइन और परियोजना प्रबंधन प्रथाओं में उद्योग की अंतर्दृष्टि साझा की, जिससे छात्रों को मूल्यवान पेशेवर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

पूर्व छात्रों की भागीदारी और योगदान

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र के पूर्व छात्रों ने भी नवीकरणीय ऊर्जा एक्सपो 2025 की अपनी यात्रा के दौरान छात्रों के साथ भाग लिया, जिससे उद्योग-अकादमिक संवाद को मजबूती मिली।

पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह के दौरान घोषित छात्रवृत्ति योगदान ने छात्र विकास और संस्थागत प्रगति में पूर्व छात्रों द्वारा निभाई जा रही सक्रिय भूमिका को और अधिक उजागर किया।

पुस्तकालय क्षेत्र

इस तिमाही के दौरान केंद्रीय पुस्तकालय एक सक्रिय शैक्षणिक और प्रशासनिक केंद्र के रूप में कार्य करता रहा, संस्थागत कार्यक्रमों की मेजबानी करता रहा और ज्ञान-उन्मुख गतिविधियों का समर्थन करता रहा।

स्कॉपस और स्कॉपस एआई पर वेबिनार

10 नवंबर 2025 को दोपहर 3:30 बजे से 4:00 बजे तक, केंद्रीय पुस्तकालय ने एल्सवियर के सहयोग से स्कोपस और स्कोपस एआई पर एक वेबिनार का आयोजन किया। सत्र का संचालन एल्सवियर की वरिष्ठ ग्राहक सफलता प्रबंधक डॉ. शुभ्रा दत्ता ने किया, जिन्होंने साहित्य खोज, उद्धरण विश्लेषण और अनुसंधान मूल्यांकन के लिए उन्नत उपकरणों का परिचय दिया। प्रतिभागियों को स्कोपस एआई से भी परिचित कराया गया, जो एक एआई-संचालित अनुसंधान सहायक है जो बुद्धिमान सारांश और अवधारणा मानचित्रण को सक्षम बनाता है।

ऑनबोर्डिंग सत्र – द लेंस इंस्टीट्यूशनल टूलकिट

25 नवंबर 2025 को छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन उपयोगकर्ता अभिविन्यास सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में ई-पुस्तकों, संदर्भ सामग्री और इंटरैक्टिव शिक्षण संसाधनों तक पहुंच पर प्रकाश डाला गया, जिसमें एआई-संचालित व्यक्तिगत शिक्षण पथ, अनुकूली सामग्री वितरण और बुद्धिमान अनुशंसा प्रणालियों पर विशेष जोर दिया गया।

पियर्सन ई-लाइब्रेरी उपयोगकर्ता मार्गदर्शन: डिजिटल शिक्षा में एआई

14 नवंबर 2025 को "द लेंस - इंस्टीट्यूशनल टूलकिट" पर एक ऑनबोर्डिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं को एक एकीकृत अनुसंधान और नवाचार विश्लेषण मंच से परिचित कराया गया। सत्र

यह प्रदर्शित किया गया कि शोध के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक एकीकृत इंटरफ़ेस के भीतर विद्वानों के कार्यों, पेटेंट, अनुदान और नीति दस्तावेजों का किस प्रकार अध्ययन किया जा सकता है।

व्यवस्थित साहित्य समीक्षा (एसएलआर) को समझने पर कार्यशाला

8-9 दिसंबर 2025 को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान पद्धति कौशल को सुदृढ़ करना था। डॉ. श्री राम पांडे (हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में संरचित समीक्षा तकनीक, अनुसंधान की सटीकता और उच्च गुणवत्ता वाली व्यवस्थित समीक्षाएँ आयोजित करने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों को शामिल किया गया।

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी और ई-संसाधन पुस्तिका का विमोचन (09 दिसंबर 2025)

एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रोफेसर नारायण प्रसाद पाढ़ी ने 9 दिसंबर 2025 को वीएलटीसी परिसर में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय पुस्तकालय की नई ई-संसाधन पुस्तिका का भी विमोचन किया।

निदेशक ने सहभागी प्रकाशकों से बातचीत की और प्रदर्शित शैक्षणिक सामग्रियों की समीक्षा की। इस पहल से छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण मुद्रित और डिजिटल संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने के पुस्तकालय के प्रयासों को बल मिला।

पुस्तकालय क्षेत्र

वर्ष के अंत में वैज्ञानिक लेखन कार्यशाला (एसीएस प्रकाशन)

12 दिसंबर 2025 को दोपहर 3:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक, एसीएस पब्लिकेशन के सहयोग से सुश्री रितिका ग्रोवर के नेतृत्व में एक वैज्ञानिक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र में पांडुलिपि की संरचना, चित्रों और ग्राफिक्स का उपयोग, कवर लेटर तैयार करना और अकादमिक प्रकाशन में नैतिक पहलुओं पर चर्चा की गई।

अनुसंधान कार्यप्रवाहों में एआई के जिम्मेदार उपयोग पर वेबिनार

क्लैरिवेट के सहयोग से 15 दिसंबर 2025 को सुबह 11:00 बजे आयोजित एक वेबिनार में अनुसंधान में एआई उपकरणों के नैतिक और जिम्मेदार एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. सुभाश्री नाग ने एआई-सहायता प्राप्त लेखन में पारदर्शिता, गलतियों को रोकने, संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और एआई आउटपुट में पूर्वाग्रह को पहचानने जैसे विषयों पर चर्चा की।

टेलर एंड फ्रांसिस लाइव ट्रेनिंग – ओएनओएस एक्सेस

19 दिसंबर 2025 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, INFLIBNET के सहयोग से वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पहल के तहत एक लाइव प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रतिभागियों को टेलर एंड फ्रांसिस के माध्यम से उपलब्ध 2500 से अधिक पीयर-रिव्यूड पत्रिकाओं तक पहुँचने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया।

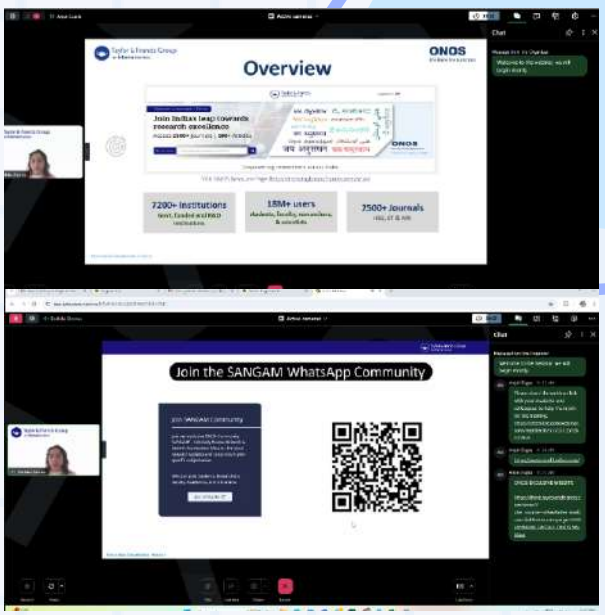

स्कूल का दौरा - पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, भीलवाड़ा

2 दिसंबर 2025 को, केंद्रीय पुस्तकालय ने शैक्षिक भ्रमण के लिए 230 छात्रों (कक्षा 9-12) का स्वागत किया। छात्रों को पुस्तकालय के विभिन्न अनुभागों, डिजिटल संसाधनों, आरएफआईडी-सक्षम परिसंचरण प्रणालियों और उपयोगकर्ता सुविधाओं से परिचित कराया गया, जिससे उन्हें आधुनिक शैक्षणिक पुस्तकालय के वातावरण का अनुभव प्राप्त हुआ।

इन पहलों के माध्यम से, केंद्रीय पुस्तकालय एक गतिशील ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित होता रहा, जो संस्थान भर में अनुसंधान उत्कृष्टता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक सहभागिता का समर्थन करता है।

वेलनेस कॉर्नर

प्रमाण और दृढ़ता पर

हममें से कई लोगों के मन में एक अनकहा सवाल होता है, जिसे हम अक्सर बिना बोले ही मन में रखते हैं: हम उन चीजों को सीखने में इतना समय क्यों व्यतीत करते हैं जिनका हम शायद कभी सीधे उपयोग न करें?

यह अक्सर थकान के क्षणों में सामने आता है - जैसे कि कैलकुलस की समस्याओं को हल करते समय, दूर के लगने वाले सूत्रों को घूरते हुए, यह सोचते हुए कि क्या प्रयास पुरस्कार से अधिक है।

आम जवाब तो जाने-पहचाने ही होते हैं। कठिन विषय अनुशासन विकसित करते हैं। वे सोचने की क्षमता को बढ़ाते हैं। वे हमें संख्याओं, निर्णयों और आंकड़ों से आकार लेने वाली दुनिया के लिए तैयार करते हैं। ये स्पष्टीकरण सही और महत्वपूर्ण हैं। फिर भी, कभी-कभी वे अधूरे लगते हैं। वे हमें यह तो बताते हैं कि सीखने से हमें क्या मिलता है, लेकिन यह नहीं बताते कि संघर्ष का अपना महत्व क्यों है।

2023 में, मुझे नैट एलियासन का एक निबंध मिला जिसका शीर्षक था "कठिन काम करने की क्षमता का प्रमाण"। इसमें एक ऐसा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया था जो शांत लेकिन प्रभावशाली था। कठिन विषयों की व्यावहारिक उपयोगिता का बचाव करने के बजाय, एलियासन ने कठिनाई के अनुभव को ही नए सिरे से परिभाषित किया। उनका सुझाव है कि कठिन काम करने से हमें प्रमाण मिलता है - यह प्रमाण कि हम भ्रम में भी स्थिर रह सकते हैं, तुरंत स्पष्टता न मिलने पर भी लगे रह सकते हैं और असहज महसूस होने पर भी आगे बढ़ सकते हैं।

समय बीतने के साथ, वह प्रमाण व्यक्तिगत हो जाता है। वह प्रमाण बन जाता है—गणित या किसी विशिष्ट विषय में महारत हासिल करने का नहीं—बल्कि हमारे स्वयं के बारे में। असली सबक अकादमिक सामग्री में कम और अपनी स्वयं की सहनशीलता को खोजने में अधिक निहित है।

वह विचार मेरे मन में बसा हुआ है। अब, जब भी मुझे किसी चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ता है—चाहे वह अकादमिक हो या अन्य—मैं उसे व्यर्थ प्रयास नहीं मानता। मैं उसे एक सीख के रूप में देखता हूँ। यह इस बात की याद दिलाता है कि विकास अक्सर वहीं से शुरू होता है जहाँ निश्चितता समाप्त होती है।

हो सकता है कि हम जो कुछ भी सीखते हैं, उसे सीधे तौर पर लागू करना ज़रूरी न हो। कुछ सबक चुनौतियों का सामना करने के हमारे तरीके, खुद पर भरोसा करने के हमारे तरीके और अनिश्चितता के बावजूद आगे बढ़ने के हमारे तरीके को बदलने के लिए होते हैं। और यही अपने आप में पर्याप्त कारण हो सकता है।

वेलनेस क्लब की ओर से एक संदेश

एमएनआईटी जयपुर के डीएसडब्ल्यू के अंतर्गत वेलनेस क्लब छात्रों को विराम लेने, आत्मचिंतन करने और शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत चुनौतियों के लिए सहायता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। वार्तालाप, गतिविधियों और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से, यह क्लब भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देता है और हमें याद दिलाता है कि दृढ़ता का अर्थ अकेले सहना नहीं है - इसका अर्थ है यह जानना कि कब और कहाँ सहायता के लिए संपर्क करना है।

छात्रों को मार्गदर्शन या सहायता के लिए वेलनेस क्लब से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है:
coordinator.wellness@mnit.ac.in

एमएनआईटी समाचारों में

यक्षम समाचार पत्रिका जयपुर, बुधवार, 10 दिसम्बर, 2025 2

एमएनआईटी जयपुर में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

● यक्षम समाचार पत्रिका

जयपुर। एमएनआईटी जयपुर के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 09 एवं 10 दिसंबर 2025 को वीएलटीसी, एमएनआईटी जयपुर में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की नवीनतम अकादमिक, तकनीकी एवं बहुविषयी पुस्तकों का प्रदर्शन इस प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण है।09 दिसंबर 2025 को एमएनआईटी जयपुर के केंद्रीय पुस्तकालएमएनआईटी जयपुर में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजनय द्वारा वीएलटीसी परिसर में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। सरस्वती जी के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एन. पी. पाडी ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय की ई-रिसोर्स पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

उद्घाटन के बाद निदेशक प्रो. एन. पी. पाडी ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित पुस्तकों का विस्तृत अवलोकन किया। उनके साथ डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. डी. बुलचंदानी तथा लाइब्रेरियन डॉ. ऋषि तिवारी तथा पुस्तकालय के समन्वयक प्रो तरुष चंद्र भी उपस्थित रहे। प्रकाशकों से नवीनतम ज्ञान संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में इंजीनियरिंग, उभरती प्रौद्योगिकियों, प्रबंधन, डिजाइन, विज्ञान, मानविकी एवं समकालीन शोध विषयों पर आधारित विविध पुस्तकों का संग्रह फैकल्टी एवं स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षणअधिगम प्रक्रिया को समृद्ध करना, पठन-पाठन संस्कृति को बढ़ावा देना तथा छात्रों और संकाय सदस्यों को विश्वस्तरीय अध्ययन संसाधनों से जोड़ना है।

दैनिक मृदुल पत्रिका रविवार, 14 दिसम्बर, 2025 http://mridulpatrika.com 5

(ए)मएनआईटी जयपुर ने युद्ध वाहनों व टैंकों के लिए हल्के आर्मर पैनल विकसित कर एक नया माइलस्टोन स्थापित किया

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। नआईटी जयपुर ने लड़ाकू ों के लिए हल्के आर्मर बनाने क नया माइलस्टोन स्थापित है, एम एन आई टी जयपुर मैकेनिकल इंजीनियरिंग र्मेंट के प्रो. अमर पटनायक ने ा कि ये आर्मर ऑर्डनेंस ों में इस्तेमाल होने वाली ा भारी स्टील प्लेट्स की जगह कते हैं और वज़न कम होने से ों की मैन्यूवरेबिलिटी बढ़ा है।

एमएनआईटी जयपुर के प्रो. पटनायक के नेतृत्व में एक -इंस्टीट्यूशनल प्रोजेक्ट, में एनआईटी उत्तराखंड, रसीआई ,एनआईटी आरए, रडीओ-टीबीआरएल जैसे कई -माने इंस्टीट्यूशन और मपीपी और ओएफएमके जैसी ी शामिल हैं, को कुछ साल हुअअरू वस्त्र मंत्रालय ने सर किया था ताकि छोटे बर के गोला-बारूद के खतरे ाने वाली चुनौतियों का सामना जा सके।

देश में मौजूदा आर्मर सॉल्यूशन ातर मेटैलिक या इम्पोर्टेड कम्पोजिट सिस्टम पर निर्भर करते हैं, जो ज़्यादा भारी, ज़्यादा महंगे और सीमित सप्लाई वाले होते हैं। एमएनआईटी टीम और सहयोगी एजेंसियों की मिली-जुली कोशिशों से, देश में ही बनाए गए हाइब्रिड कम्पोजिट आर्मर पैनल सफलतापूर्वक बनाए गए हैं, जिनमें एडवांस्ड सिरेमिक, एडवांस्ड टेक्निकल टेक्सटाइल और पॉलिमर का इस्तेमाल किया गया है। इन नए बने पैनलों ने लैब में टेस्ट करने पर बैक-फेस ट्रॉमा सिग्नेचर कम होने के साथ बेहतरीन बैलिस्टिक परफॉर्मेंस और बेहतर एनर्जी सोखने की क्षमता दिखाई है।

नए बने आर्मर की एक बड़ी कामयाबी यह है कि पारंपरिक मटीरियल के मुकाबले इसका वज़न 40%-50% तक कम हो गया है। ये नए हल्के आर्मर पहाड़ी और बिना मोटर वाले इलाकों जैसे मॉडर्न युद्ध के हालात में मोबिलिटी, मैन्यूवरेबिलिटी और पूरी ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ाने में मदद करेंगे। मौजूदा नेशनल और इंटरनेशनल सॉल्यूशन के मुकाबले, हल्के हाइब्रिड कम्पोजिट पैनल न सिर्फ संभालने में आसानी और तेज़ी से डिप्लॉयमेंट में सुधार करते हैं, बल्कि इक्विपमेंट और लोगों पर फिजिकल लोड भी कम करते हैं।

इस बड़ी तरक्की के साथ, टेक्नोलॉजी कम प्रोडक्शन को और कम मैन्युफैक्चरिंग टाइमला देती है, जो पूरी तरह से लोक सप्लाई चेन और स्वदेशी प्रोसे से मुमकिन हुआ है। स्केले मोल्डिंग टेक्नीक, नियर-नेट- फैब्रिकेशन और हाइब्रिड मटीरि आर्किटेक्चर को अपनाने मैन्युफैक्चरिंग और आसान हो है, जिससे डिफेंस और इंडस्ट्रि एप्लीकेशन के लिए बड़े पैमाने बेहतर प्रोडक्शन मुमकिन हुआ यह नया स्वदेशी डेवलपमेंट देश आत्मनिर्भरता में मदद करे विदेशी निर्भरता कम को कम क और घरेलू डिफेंस इकोसिस्टम सपोर्ट करेगा।

इस इनोवेशन से डिफेंस सेव में कॉम्बैट व्हीकल प्रोटेक्शन सीधा फ़ायदा होगा। डिफेंस अलावा इस टेक्नोलॉजी से देश अंदर नई मटीरियल सप्लाई चे नए रोजगार के मौके मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएँ व इंडस्ट्रि ग्रोथ को बढ़ावा मिलने की उम् है। इस नवाचार से आने वाले सा में देश, समाज और इंडस्ट्री काफ़ी फ़ायदा होगा।

राजस्थान स्टेटमेन्ट

जीवन कुमार जैन हुए अटल सार्क गौरव अवार्ड से सम्मानित

जयपुर/का.सं.। भारत की शक्ति को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने वाले संगठन अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा आयोजित सार्क राष्ट्रों के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में जीवन कुमार जैन को अटल सार्क गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। मंच के संयोजक डॉक्टर कुलदीप प्रसाद शर्मा ने बताया कि श्री जीवन कुमार जैन को उनके सेवा कार्यों और नवाचारों के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एस एन भार्गव पूर्व राज्यपाल पूर्व मुख्य न्यायाधीश सिक्किम उच्च न्यायालय एव समारोह अध्यक्ष डॉ एच सी गणेशिया ने बताया कि जीवन कुमार जैन का चयन कर्म से विकास तक सेवा कार्यों के अवलोकन और नवाचारों के लिए किया गया है। उन्हें भारत रत्न के सम्मान में होने वाले समारोह में अटल सार्क गौरव अवार्ड से 25 राष्ट्रों के राष्ट्र ध्वजों के सान्निध्य में अभिनंदन किया गया। जीवन कुमार जैन ने अपने उद्बोधन में भारत की शक्ति और प्रतिष्ठा के पंच सिद्धांत पर प्रकाश डाला और वैश्विक स्तर पर कार्य योजना को बढ़ाने में सहयोग का आश्वासन दिया।

हमारा समाचार जयपुर, शनिवार, 17 जनवरी, 2026 8

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हमारा समाचार

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में वर्ष 2026 की प्रथम तिमाही की हिंदी कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित बैठक कक्ष में सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे अतिथियों के आगमन एवं स्वागत के साथ हुआ। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक वजीर सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा), कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) राजस्थान, जयपुर रहे। सह-समन्वयक डॉ. ऋषि तिवारी द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला का विषय 'संघ की राजभाषा नीति 'रहा, जिस पर मुख्य प्रशिक्षक ने विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अंत में राजभाषा अधिकारी कुशाग्र चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिव्य राष्ट्र जयपुर, गुरुवार, 22 जनवरी 2026 4

ह्मपल्स का 28वाँ सत्र मनरेगा से वींबी-ग्राम जी में परिवर्तन का बहुविषयक प्रभाव विषय पर जयपुर

जयपुर,दिव्यराष्ट्र। एमएनआईटी जयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस सत्र ने आत्म-अधिगम, पुनः-अधिगम तथा सह-अधिगम की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के प्रति ह्मपल्स की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। सत्र की शुरुआत विभाग में नए शोधार्थियों के परिचय के साथ हुई। सत्र का मुख्य केंद्र महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम , 2005 से विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) ढाँचे की ओर प्रस्तावित वैधानिक एवं नीतिगत परिवर्तन रहा। इस अवसर पर संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों ने भारत की ग्रामीण रोजगार नीति के परिदृश्य में इस महत्वपूर्ण परिवर्तन के औचित्य, दायरे तथा संभावित प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यकर्म में विभाग की शोधार्थी वर्तिका बोथरा ने कानून में हुए बदलावों को संक्षेप में समझाया। विचार-विमर्श में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्रस्तावित ढाँचा ग्रामीण रोजगार गारंटी तंत्र के उद्देश्यों एवं संरचना दोनों में परिवर्तन लाने का प्रयास करता है। सत्र के दौरान प्रस्तुत नीतिगत सारांशों के अनुसार, प्रस्तावित अधिनियम का उद्देश्य प्रति ग्रामीण परिवार सुनिश्चित रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 करना है, साथ ही ग्रामीण अवसंरचना विकास एवं आजीविका-उन्मुख पहलों के साथ समन्वय पर अधिक बल देना है। चर्चा में इस परिवर्तन से जुड़े व्यापक विमर्शों को भी शामिल किया गया, जिनमें केंद्र और राज्यों के बीच लागत-साझेदारी की व्यवस्था, योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन तंत्र, तथा संस्थागत तैयारियों से संबंधित चिंताएँ प्रमुख रहीं। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से संवेदनशील ग्रामीण संदर्भों में श्रमिकों के अधिकारों, कल्याण सुरक्षा तथा शासन में जवाबदेही पर प्रस्तावित ढाँचे के संभावित प्रभावों पर भी विचार किया। समग्र रूप से, ह्मपल्स सत्र ने विकसित हो रही ग्रामीण रोजगार नीति पर आर्थिक, समाजशास्त्रीय, राजनीतिक एवं मानवतावादी दृष्टिकोणों से बहुविषयक एवं समालोचनात्मक संवाद को संभव बनाया। सत्र का समापन एक संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और प्रस्तावित नीतिगत परिवर्तन से उत्पन्न अवसरों एवं चुनौतियों पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए।

दैनिक नवयत्न शनिवार 15 नवम्बर 2025 | 03

आध्यात्मिक गुरु रविशंकर ने किया भारतीय ज्ञान प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ

मिस

जयपुर (नवयत्न)। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एमएनआईटी जयपुर ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए भारतीय ज्ञान प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन एपीजे अब्दुल कलाम हॉल वीएलटीसी में किया। इस केंद्र का उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को आधुनिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ना है।

कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री रविशंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिनकी उपस्थिति ने समारोह में आध्यात्मिक प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों के आगमन के साथ हुई। इसके बाद स्वामी विवेकानंद और मां सरस्वती की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत भाषण में प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एम.एन.आई.टी. जयपुर में आईकेएस केंद्र की स्थापना के पीछे की दृष्टि को साझा किया। उन्होंने बताया कि यह केंद्र बहु-विषयक शिक्षण एवं अनुसंधान को बढ़ावा देते हुए भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक वैज्ञानिक विचारों और तकनीकी प्रगति से जोड़ने का माध्यम बनेगा।

इसके बाद डीन एकेडमिक अफेयर्स द्वारा केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आईकेएस बुकलेट का लोकार्पण भी किया गया, जिसमें केंद्र के उद्देश्यों, अनुसंधान विषयों और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत विवरण शामिल है।

अपने संबोधन में गुरुदेव श्री रविशंकर ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह ज्ञान शांति, जागरूकता एवं समग्र मानव विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि संस्कृति और मूल्य-आधारित शिक्षा मन की स्पष्टता और भावनात्मक दृढ़ता विकसित करती है। समारोह का समापन डीन छात्र कल्याण द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने गुरुदेव, अतिथियों, संकाय सदस्यों, छात्रों और आयोजन टीम को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद दिया।

एमएनआईटी समाचारों में

हमारा समाचार जयपुर, बुधवार, 5 नवम्बर 2025 6

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व जरूरी : एमएनआईटी जयपुर में परिसंवाद का आयोजन

हमारा समाचार

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के अंतर्गत 'सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर परिसंवाद (पैनल डिस्कशन) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर ने की।

परिसंवाद में पैनलिस्ट के रूप में डॉ. मालिनी अग्रवाल (आईपीएस), महानिदेशक एवं कमांडेंट जनरल, होमगार्ड्स राजस्थान सरकार; राजदीपक रस्तोगी, वरिष्ठ अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय; और डॉ. शैलेन्द्र झा, पूर्व निदेशक, राज्य एफ.एस.एल. एवं साइबर क्राइम विशेषज्ञ, सीडीटीआई (गृहमंत्रालय) शामिल रहे। परिसंवाद का संचालन पुनीत शर्मा ने किया। वक्ताओं ने कहा कि सतर्कता केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक उत्तरदायित्व है। डॉ. मालिनी अग्रवाल ने नागरिकों की भागीदारी और संस्थागत ईमानदारी को सतर्क समाज की नींव बताया। डॉ. शैलेन्द्र झा ने साइबर सतर्कता और डिजिटल जागरूकता को आधुनिक युग की प्रमुख आवश्यकता बताया, जबकि राजदीपक रस्तोगी ने विधिक दृष्टिकोण से भ्रष्टाचार निरोधक तंत्र की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला। प्रो. पाढ़ी ने अपने संबोधन में कहा कि सतर्कता केवल शासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. विजय जनयानी ने अतिथियों का सम्मान किया तथा सहायक कुलसचिव (सतर्कता) डॉ. वरुण त्यागी ने संचालन किया।

दैनिक मृदुल पत्रिका बुधवार, 28 जनवरी, 2026 http://mridulpatrika.com 3 जयपुर

एमएनआईटी जयपुर ने देशभक्ति के उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ गणतंत्र दिवस मनाया

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर में सोमवार सुबह 77वें गणतंत्र दिवस का आयोजन गरिमा, उत्साह और सांस्कृतिक एकता के जीवंत प्रदर्शन के साथ किया गया। समारोह का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ, जिसके उपरांत परिसर में एकत्रित विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं अतिथियों द्वारा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। तिरंगे से सजे परिसर और आकर्षक रंगोली सज्जा ने आयोजन के वातावरण को और भी भव्य बना दिया। इस वर्ष एमएनआईटी के विद्यार्थियों ने संस्थान के सुरक्षा कर्मियों के साथ गणतंत्र दिवस परेड में भी गर्व के साथ भाग लिया, जिससे अनुशासन और औपचारिक गरिमा में वृद्धि हुई।

सभा को संबोधित करते हुए प्रो. पाढ़ी ने भारत के संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्र निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और युवाओं की अहम भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने एमएनआईटी जयपुर जैसे अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों को सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिकों और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति प्रतिबद्ध भावी नेतृत्व को विकसित करने की जिम्मेदारी पर बल दिया। अपने संबोधन में निदेशक ने प्लास्टिक-मुक्त एवं पर्यावरणीय रूप से सतत परिसर के विकास के प्रति एमएनआईटी जयपुर की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया और संस्थान समुदाय से राष्ट्रीय सततता लक्ष्यों के अनुरूप जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का आह्वान किया।

समारोह के दौरान संस्थान के कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवाओं और महत्वपूर्ण योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम को विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने और भी समृद्ध किया। डांस क्लब और म्यूजिक क्लब ने जोशीली एवं मधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, जबकि लिमिटलेस एबिलिटी क्लब ने समावेशिता और मानव आत्मा की असीम संभावनाओं पर आधारित एक विचारोत्तेजक कविता प्रस्तुत की। फैशन क्लब ने 'एकता में विविधता' की भावना को रचनात्मक प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' के गायन के साथ हुआ, जिसकी गूंज ने पूरे परिसर को भाव-विभोर कर दिया।

गणतंत्र दिवस समारोह में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही, जिससे यह आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा उत्सव बन गया।

गरिमा और उल्लास से परिपूर्ण यह आयोजन इस बात की स्मृति दिलाता है कि गणराज्य की शक्ति उसके नागरिकों की संविधान के प्रति निष्ठा तथा समावेशी, सतत और प्रगतिशील भारत के निर्माण के संकल्प में निहित है।

FIRST INDIA सच बेधड़क 10 जयपुर, शनिवार, 24 जनवरी, 2026

भुज भूकंप की वर्षगांठ पर सेमिनार

भूकंप सुरक्षा तकनीकी नहीं नागरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा

प्रो. अरुण मेनन, प्रो. एसटीजी रघुकांत, प्रो. जसवंत अर्लेकर, भुवन भास्कर, प्रो. एनपी पाढ़ी, शैलेष अग्रवाल, कनिका कालिया, पीयूष नरूला, प्रो. एसडी भारती और विष्णु।

बेधड़क | जयपुर

2001 के विनाशकारी भुज भूकंप की वर्षगांठ पर शुक्रवार को 'भूकंप सुरक्षा एवं भूकंप मानकों' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुआ। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), भवन निर्माण सामग्री प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. एस. डी. भारती के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने भुज भूकंप के बाद भारत की भूकंप सुरक्षा यात्रा, अकादमिक-उद्योग सहयोग और अनुसंधान की निर्णायक भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि भुवन भास्कर, अतिरिक्त सचिव एवं इंजीनियर-इन-चीफ, जल संसाधन विभाग, राजस्थान सरकार ने अपने संबोधन में जोर दिया कि भूकंप सुरक्षा महज एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि हर नागरिक की सुरक्षा से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। उद्घाटन सत्र में एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों के शोध और जमीनी क्रियान्वयन ने भूकंप-रोधी निर्माण को नई दिशा दी है। एमएनआईटी जयपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है। बीआईएस की ओर से निदेशक कनिका कालिया ने भूकंप मानकों की वर्तमान प्रासंगिकता, पूर्व-आपदा तैयारी और सुरक्षित निर्माण में बीआईएस की अहम भूमिका पर विस्तार से जानकारी साझा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. एसडी भारती।

भूकंप-प्रतिरोधी डिजाइन पर पुस्तक का विमोचन

इस अवसर पर 'बेसिक कॉन्सेप्ट्स इन अर्थक्वेक रेसिस्टिंग डिजाइन ऑफ बिल्डिंग' पुस्तक का विमोचन किया गया, जो भूकंप-प्रतिरोधी डिजाइन के मूल सिद्धांतों को समझने में सहायक सिद्ध होगी। संगोष्ठी में प्रो. सुधीर जैन, कृष्ण दत्ता, जितेन्द्र चौधरी, जसवंत आर्लेकर, शुभदीप बनर्जी, नागेश दबुलुरी, अरुण मेनन, टी. के. दत्ता, रजीव सिंह, शैलेश कुमार अग्रवाल, एस. टी. जी. रघुकांत और आर. प्रदीप कुमार जैसे विख्यात विशेषज्ञों ने भूकंप सुरक्षा, भू-तकनीकी मजबूती और नवीनतम कोड्स पर विचार-विमर्श किया। सभी विशेषज्ञों ने कहा कि सुरक्षित निर्माण, मजबूत नींव और आपदा-पूर्व तैयारी ही देश को भूकंप के खतरे से बचा सकती है।

09 राजस्थान पत्रिका जयपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025

कृषि वित्त पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ संवाद कार्यक्रम

जयपुर @ पत्रिका प्लस. मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के शोध संस्थान यूएनयू फ्लोरेस (जर्मनी) के सहयोग से एमएनआइटी की सेंट्रल लाइब्रेरी में 'समावेशी कृषि वित्त प्रणाली के लिए रास्तों का सह-निर्माण' विषय पर राष्ट्रीय स्तर का विशेषज्ञ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। शुरुआत एमएनआइटी के रजिस्ट्रार डॉ.रोहित भाकर के स्वागत भाषण से हुई। एक-दिवसीय संवाद का मुख्य उद्देश्य छोटे किसानों के सामने मौजूद बैंकों और सरकारी योजनाओं से जुड़ी वित्तीय सुविधाओं तक सीमित पहुंच को समझना और उसके समाधान पर चर्चा करना था।

08 राजस्थान पत्रिका जयपुर, गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025

एल्यूमिनी डे आज

जयपुर @ पत्रिका प्लस. एमएनआइटी जयपुर एल्यूमिनी एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को एल्यूमिनी डे मनाया जाएगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष दत्त शर्मा ने बताया कि इस मौके पर 1975 में संस्थान में प्रवेश लेने वाले गोल्डन जुबली पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। 2000-01 पास आउट बैच के पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। संस्थान निदेशक एन.पी.पाढी सुबह 10 बजे सेंट्रल लॉन में स्टूडेंट्स का स्वागत करेंगे।

समाचार जगत जयपुर, 23 जनवरी, 2026 2

एमएनआईटी में अपशिष्ट जल उपचार पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर (एमएनआईटी जयपुर) की ओर से 'हस्तनिर्मित कागज़ परिपत्र अर्थव्यवस्था के लिए विकेन्द्रीकृत बायोचार-आधारित अपशिष्ट जल उपचार विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला गुरुवार को सम्पन्न हुई। कार्यशाला अंतरराष्ट्रीय सहयोग, उद्योग- शैक्षणिक सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा हस्तनिर्मित कागज़ के क्षेत्र में सतत परिपत्र अर्थव्यवस्था की अवधारणाओं को प्रोत्साहित किया। यह कार्यशाला एमएनआईटी जयपुर, लॉफबरो विश्वविद्यालय, यूके तथा कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज़ संस्थान (केएनएचपीआई), जयपुर के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों एक साझा मंच पर सहभागिता की। कार्यक्रम का संयुक्त समन्वय प्रो. मधु अग्रवाल (एमएनआईटी जयपुर) एवं डॉ. मार्क लीपर (लॉफबरो विश्वविद्यालय, यूके) की ओ से किया गया। कार्यशाला में डॉ. डी. बी. दास (लॉफबरो विश्वविद्यालय, यूके) तथा डॉ. साक्षी (केएनएचपीआई जयपुर) का महत्वपूर्ण तकनीकी योगदान रहा। वक्ताअ ने पारंपरिक एवं लघु उद्योगों के लिए सतत, विकेन्द्रीकृत तथा किफायती अपशिष्ट ज उपचार समाधानों के महत्व पर प्रकाश डाला। सांगानेर के हस्तनिर्मित कागज़ उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने व्यावहारिक एवं क्षेत्रीय स्तर के अनुभव साझा किए, जिससे चर्चा अत्यंत प्रासंगिक एवं अनुप्रयोगोन्मुख बनीं।

साध्य दिव्य राष्ट्र जयपुर, बुधवार 14 जनवरी,

MNIT जयपुर में 1985 बैच के लिए रूबी मीट और सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

जयपुर। MNIT जयपुर और MNITJAA ने 12 जनवरी जयपुर में 1985 बैच के लिए रूबी मीट और सम्मान समारोह का गर्व से आयोजन किया। 2026 को नीति सभागार, MNIT जयपुर में 1985 बैच के लिए रूबी मीट और सम्मान समारोह का गर्व से आयोजन किया।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में प्रो. दिलीप शर्मा (डीन इंटरनेशनल और एलुमनाई अफेयर्स); डॉ. पवन कालरा (एसोसिएट डीन, एलुमनाई अफेयर्स); डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, MNITJAA); श्री महेंद्र मीना (महासचिव, MNITJAA) और श्री मनोज गुप्ता (बैच कोऑर्डिनेटर) मौजूद थे। समारोह की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के पुष्प स्वागत के साथ औपचारिक दीप प्रज्वलन और MNIT जयपुर कुलगीत से हुई। इसके बाद प्रेरणादायक भाषण हुए, जिसमें पूर्व छात्रों के योगदान, छात्र मार्गदर्शन और संस्थान की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला गया, जिसमें भविष्य को आकार देने और समाज को वापस देने में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।

इसके बाद कार्यक्रम सम्मान समारोह की ओर बढ़ा, जहाँ 38 पूर्व छात्रों को उनके जीवनसाथी के साथ उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया, जिससे यह अवसर वास्तव में यादगार बन गया। पूर्व छात्रों ने दोपहर के भोजन पर एक गर्मजोशी भरी सभा का आनंद लिया, जिसके बाद समूह तस्वीरें ली गईं और एक यादगार कैंपस टूर किया गया, जहाँ उन्होंने संस्थान की प्रभावशाली वृद्धि और प्रगति को देखा।

इस यादगार पुनर्मिलन ने न केवल पुराने संबंधों को फिर से जीवंत किया, बल्कि MNIT जयपुर की स्थायी विरासत का भी जश्न मनाया।

प्रोफेसर महेंद्र चौधरी के लिए शोक नोट

गहन शोक और अत्यंत भारी मन के साथ हम सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. महेन्द्र चौधरी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जिनका 28 फरवरी 2026 को निधन हो गया।

वे एक सम्मानित शिक्षक, कुशल प्रशासक और संवेदनशील सहकर्मी थे। उनकी सदैव मुस्कुराती हुई उपस्थिति और विनम्र स्वभाव अपने आसपास के सभी लोगों के लिए प्रेरणा और उत्साह का स्रोत था। उनके अचानक चले जाने से एमएनआईटी परिवार के साथ-साथ उन सभी लोगों के हृदय में एक अपूरणीय रिक्तता उत्पन्न हो गई है, जिन्हें उन्हें जानने और उनके साथ कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

प्रो. चौधरी का जीवन और करियर शिक्षण, अनुसंधान तथा संस्थान के विकास के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक था। जल संसाधन अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उनका विद्वतापूर्ण कार्य—विशेषकर भूजल पुनर्भरण, जलवैज्ञानिक मॉडलिंग, रिसाव (सीपेज) एवं जल निकास प्रणालियाँ, तथा जलवायु सहनशीलता—उनके ऐसे अनुसंधान दृष्टिकोण को दर्शाता है जो समाज की वास्तविक आवश्यकताओं को संबोधित करता था।

वर्षों के दौरान उन्होंने संस्थान में अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का उत्कृष्ट रूप से निर्वहन किया। इनमें सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, एसोसिएट डीन (शैक्षणिक), प्रोफेसर-इन-चार्ज प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, तथा हाउस एलॉटमेंट समिति के अध्यक्ष जैसे पद शामिल हैं।

वे ग्रामीण विकास केंद्र (Centre for Rural Development) के संस्थापक और प्रेरक शक्ति भी थे—यह एक ऐसा स्वप्न था जो उनके हृदय के अत्यंत निकट था। इस केंद्र के माध्यम से उन्होंने ग्रामीण समुदायों के लिए सस्ती और सतत तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

प्रो. चौधरी अपनी ईमानदारी, निष्पक्षता और सहयोगी भावना के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों—सभी के बीच वे समान रूप से आदर और प्रशंसा के पात्र थे। उनके मार्गदर्शन, विनम्रता और संस्थान में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की प्रतिबद्धता ने छात्रों और सहकर्मियों की कई पीढ़ियों पर गहरी और स्थायी छाप छोड़ी।

उनका जीवन और कार्य सेवा, सहानुभूति और समाज के प्रति समर्पण जैसे मूल्यों का सजीव उदाहरण था।

वे सदैव एमएनआईटी परिवार के हृदयों में जीवित रहेंगे। हम उन्हें गहरे सम्मान के साथ स्मरण करते हैं और उनकी पुण्य आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

ॐ शांति।

समन्वयक संस्थान समाचार पत्र

डॉ. पारुल माथुरिया
(सहायक प्रोफेसर, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
संपादकीय

डॉ. मेनका
(सहायक प्रोफेसर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग)
डॉ. गीतांजलि चट्टोपाढ़ीाय
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)
सुप्रिया अवस्थी
(शोधार्थी, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
सन्नी रॉय-न्यूरॉन
(एम.टेक, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
हिमांक धामानिया
(बी.टेक, अष्टम सेमेस्टर, धातुकर्म)
प्रेम अनुभव
बी.टेक (षष्ठम सेमेस्टर)
प्रशांत कुमार
बी.टेक (षष्ठम सेमेस्टर)
शुभम
बी.टेक (चतुर्थ सेमेस्टर)
देशना जैन
बी.टेक (द्वितीय सेमेस्टर)
सोनू चौधरी
बी.टेक (द्वितीय सेमेस्टर)

तकनीकी सहयोग,आउटरीच

डॉ. सद्भावना
(सहायक प्रोफेसर,
कंप्यूटर साइंस अभियांत्रिकी विभाग)
रुद्र प्रताप सिंह
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर,
यांत्रिक अभियांत्रिकी)
सुभ्रजीत रॉय
(बी.टेक, अष्टम सेमेस्टर,
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)
शलविन दिदवानिया
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
रामेश्वर
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
आर्यन गोयल
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

डिज़ाइन

डॉ. सूरजित घोष
(सहायक प्रोफेसर,
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
आर्क. हिमांशु योगी
(सहायक प्रोफेसर,
वास्तुकला और नियोजन विभाग)
अनामिका लक्ष्मी
(बी.टेक, अष्टम सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)
एस. साई मृधुला
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर, ए.आई. एंड डेटा इंजीनियरिंग)
दीपशिखा राज
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ए.आई. एंड डेटा इंजीनियरिंग)

कंटेंट मैनेजमेंट

डॉ. अनुभा जिंदल
(सहायक प्रोफेसर,
गणित विभाग)
डॉ. बिकाशबिंदु दास
(सहायक प्रोफेसर,
रासायनिक अभियंत्रण विभाग)
पुनीत कुमार झा
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर, रासायनिक
अभियांत्रिकी)
विनीत सिंह परिहार
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)
रयान कल्याण
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं
संचार अभियांत्रिकी)
मन्या बजाज
(बी.टेक, षष्ठम सेमेस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं
संचार अभियांत्रिकी)
रितिका नीमरोट
(मास्टर्स, चतुर्थ सेमेस्टर, पीसीवी)
ऋषु रंजन
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, मैकेनिकल
इंजीनियरिंग)
सहज बजाज
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)

कुलगीत

गालव ऋषि की तपोभूमि पर,
प्रौद्योगिकी ज्ञान का संगम ।
विश्वपटल पर आलोकित है,
भारतीय मेधा का परचम ।।
नवरचना के लिए समर्पित,
नूतन अभ्युत्थान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।1।।

ढूँढ़ाड़ी माटी का उत्सव,
बिखरा यहां गुलाबी वैभव
। भव्य भवन, पथ, जंतर-मंतर,
स्थापत्य, कलाएँ अभिनव ।।
अरावली की उपत्यका में,
ज्ञानोदय अभियान।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।2।।

तकनीकी विद्या का साधक,
मानव मूल्यों का आराधक ।
यन्त्र, तन्त्र, अणु-कौशल शिक्षा,
वैज्ञानिक दृष्टि का वाहक ॥
अखिल विश्व हित शोध सर्जना,
भारत का प्रतिमान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।३।।

जल, थल, अंतरिक्ष अवगाहन,
श्रम से शृंगारित हो जीवन ।
अमृतकाल के अग्रदूत हम,
करते नवयुग का आवाहन ।।
"योगः कर्मसु कौशलम्" का,
गूँज रहा जयगान।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।4।।

रचनाकार :
डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी, (राज्यमंत्री दर्जा - राजस्थान सरकार)
कवि, आलोचक, निबंधकार एवं संपादक ।

आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए महत्वपूर्ण है!
हमें यह बताने के लिए कि हम कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं या हमारी टीम से संपर्क करने के लिए यहां स्कैन करें।